संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार 17 दिसंबर 2025 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | Facebook.com/actionindialivee

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 16 अंक: 346 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड - चंडीगढ़

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ने विजय दिवस पर 'परमवीर दीर्घा' का किया उद्घाटन।

नक्सलवाद पर सरकार का बड़ा दावा, हिंसा में 89 फीसदी की कमी, 11 जिलों में सिमटा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद को बताया है कि देश में वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) के खिलाफ चलाए जा रहे समन्वित अभियानों और विकास कार्यों के चलते नक्सली हिंसा और प्रभाव वाले क्षेत्रों में ऐतिहासिक गिरावट आई है। गृह मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2010 की तुलना में साल 2025 में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 89 प्रतिशत और नागरिकों व सुरक्षा बल कर्मियों की मौत की संख्या में 91 प्रतिशत की कमी आई है। लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को बताया कि नक्सल हिंसा की घटनाएं साल 2010 में 1936 के उच्च स्तर से 89 प्रतिशत कम होकर साल 2025 में 222 हो गई हैं। इसके परिणामस्वरूप नागरिकों और सुरक्षा बल कर्मियों की मौत की संख्या भी साल 2010 में 1005 के उच्च स्तर से 91 प्रतिशत कम होकर साल 2025 में 95 हो गई हैं। उन्होंने बताया कि देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी लगातार घटी है और अक्टूबर 2025 तक यह 11 जिलों तक सिमट गई है, जिनमें केवल तीन जिलों को ह्यअत्यधिक नक्सल प्रभावितह्ल श्रेणी में रखा गया है।

राय ने कहा कि आदिवासी और दूरदराज के इलाकों में विकास पर सरकार के फोकस ने नक्सलवाद की जड़ को खत्म किया है। बेहतर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा स्थिति, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश ने आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल बनाया है, जिसमें सार्वजनिक व निजी निवेश में वृद्धि भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में स्वीकृत वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति एवं कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन से यह सफलता मिली है। इस नीति के तहत सुरक्षा उपायों के साथ-साथ विकास, अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं पर समान रूप से जोर दिया गया। गृह मंत्रालय के अनुसार, नक्सल प्रभावित राज्यों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जिनमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भी शामिल है, उसकी तैनाती से सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया है। केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनी और उग्रवादियों के पुनर्गठन को रोका गया।

नक्सली हिंसा

- घटनाओं में 89 प्रतिशत और नागरिकों व सुरक्षा बल कर्मियों की मौत की संख्या में 91 प्रतिशत की कमी आई

हंगामे के बीच मनरेगा से जुड़ा 'जी राम जी' विधेयक पेश

- सदस्यों ने विधेयक को सदन की स्थायी समिति को भेजे जाने का अनुरोध किया, वित्तीय वर्ष में हर ग्रामीण परिवार को 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाएगी, प्रियंका गांधी ने किया विधेयक का विरोध

हंगामा

- विधेयक विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन के साथ जुड़ा एक ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करेगा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष के विरोध के बीच ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार से जुड़े गारंटी योजना मनरेगा में बदलाव से जुड़ा 'जी राम जी' विधेयक पेश किया गया। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने पर आपत्ति जताते हुए विपक्ष ने विधेयक का विरोध किया। ज्यादातर सदस्यों ने विधेयक को सदन की स्थायी समिति को भेजे जाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटीः (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025 पेश किया। यह विधेयक विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय विजन के साथ जुड़ा एक ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करेगा।

इसमें हर वित्तीय वर्ष में हर ग्रामीण परिवार को 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाएगी। इसमें परिवार के वयस्क सदस्य को उनकी इच्छा पर बिना किसी कौशल वाला काम दिया जाएगा।

मनरेगा की जगह नई योजना के विरोध में इंडी गठबंधन के सांसदों ने किया संसद भवन परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के स्थान पर नई योजना लाने के प्रस्ताव के विरोध में इंडी गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल और मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास उनकी तस्वीरें हाथ में लेकर विरोध जताया। प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी, सांसद मणिकम टैगोर, दीपेंद्र हुड्डा, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव और सपा सांसद धर्मेंद्र यादव सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में महात्मा गांधी की तस्वीरें और पोस्टर ले रखे थे, जिन पर महात्मा गांधी लिखा हुआ था। इस दौरान महात्मा गांधी अमर रहें के नारे भी लगाए गए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार मनरेगा के स्थान पर नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने की तैयारी कर रही है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी देशवासियों के दिलों में बसते हैं और उन्होंने एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के कल्याण की सोच दी थी। विधेयक में सरकार ने 100 दिनों के बजाय 125 दिनों की रोजगार गारंटी देने का प्रावधान किया है, जिसके लिए 1,51,282 करोड़ रुपये की राशि रखी गई है। उन्होंने विपक्ष से पूछा कि क्या जवाहर रोजगार योजना का नाम बदलने से पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ अन्याय हुआ था। इसमें ग्राम विकास को प्राथमिकता दी गई है और 95 हजार करोड़ रुपये केन्द्र से खर्च किए जाएंगे। कम विकसित पंचायतों को अधिक काम मिलेगा। कृषि कार्यों के लिए विशेष फंड दिया गया है। बापू रामराज्य की बात करते थे और सरकार कृषि और मजदूरी से जुड़े कार्यों को एक समान करने का काम करेगी। इसी बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विधेयक लाया गया है और केवल विधायी क्षमता पर ही बहस सीमित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देशहित में कानून होगा उसे पारित करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि विधायी कार्यों में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों का उपयोग किया जा सकता है। कांग्रेस नेता प्रियंका ने विधेयक लाए जाने का विरोध किया और विधेयक को वापस लेकर व्यापक चर्चा हेतु स्थायी समिति को भेजे जाने का अनुरोध किया। यही मांग एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले और कुछ अन्य सदस्यों ने भी की। प्रियंका ने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) पिछले 20 वर्षों से ग्रामीण गरीबों को रोजगार और कानूनी सुरक्षा देता आया है। यह मांग-आधारित योजना ग्राम सभाओं को अधिकार देकर पंचायती राज और संविधान की मूल भावना को मजबूत करती है। प्रस्तावित विधेयक में केंद्र द्वारा धन आवंटन पहले से तय करने, अनुदान घटाने और नियंत्रण बढ़ाने से राज्यों व ग्राम सभाओं की भूमिका कमजोर होगी।

तीन साल में सीएपीएफ में 438 आत्महत्याएं, 7 सहकर्मियों की हत्या

नई दिल्ली। पिछले तीन वर्षों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), असम राइफल्स (एआर) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) में 438 आत्महत्याओं और सात सहकर्मियों की हत्या की घटनाएं दर्ज की गई हैं। यह जानकारी मंगलवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर के माध्यम से दी। केन्द्र सरकार के अनुसार आत्महत्या के मामलों में 2023 में 157, 2024 में 148 और 2025 में 133 घटनाएं दर्ज की गईं, सहकर्मियों की हत्या के दो मामले 2023 में, एक मामला 2024 में और चार मामले 2025 में सामने आए।

खेती, स्वास्थ्य और डिजिटल समावेशन में भारत के अनुभव का लाभ उठा सकता है जॉर्डन : प्रधानमंत्री

कांग्रेस सरकार के जमाने में बैलेट बॉक्स खुलेआम लूटे जाते और गायब हो जाते थेओः नड्डा

कांग्रेस चुनाव में हार जाये तो अंपायर खराबः नड्डा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। राज्य सभा में चुनाव सुधारों पर जवाब देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि ह्यकांग्रेस जब जीत जाये तो सिकंदर और हार जाये तो अंपायर खराब-ये तरीका ठीक नहीं है। कांग्रेस सरकार के जमाने में बैलेट बॉक्स खुलेआम लूटे जाते और गायब हो जाते थे। चुनाव आयोग की रिपोर्ट है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें सीधे तौर पर किसी भी तरह के चुनाव सुधार का सुझाव नहीं दिया गया। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस फिर से पुराने लालटेन युग में क्यों जाना चाहती है? चुनाव सुधारों पर चर्चा का समापन करते हुए मंगलवार को जेपी नड्डा ने कहा कि दशकों तक चुनाव आयोग के काम को देखने की जिम्मेदारी एक पार्टी की थी और वो पार्टी एक परिवार की पार्टी है। उस दौर

में किसी ने इलेक्शन कमीशन की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े नहीं किये। जब हम सुधार की बात करते हैं तो एसआईआर को लेकर देशभर में ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास हुआ कि जैसे कोई धांधली हो रही है। कांग्रेस पार्टी इसको लेकर रैली कर रही है। लोकतांत्रिक प्रणाली की सशक्ति पर कांग्रेस के पुराने नेताओं और आज के नेताओं की बात करें तो स्पष्ट होता है कि गंगा-जमुना में कितना ज्यादा पानी बह चुका है। उन्होंने कहा कि देश में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) कोई नया नहीं है। जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहते वर्ष-1952, 1957, 1961 में देश में एसआईआर हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी को छोड़कर सारे एसआईआर कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार में हुए हैं। बिहार चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए तकलीफ दायक है, लेकिन वे जनता और अपने ही कार्यकर्ताओं को एसआईआर पर दोष मढ़कर गलत अफवाह फैला रहे हैं।

सोनिया व राहुल को नेशनल हेराल्ड मामले में मिली राहत

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की अदालत द्वारा प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार किए जाने के बाद कांग्रेस ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति को करारा झटका बताया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह फैसला साबित करता है कि पूरा मामला बिना अधिकार क्षेत्र, बिना एफआईआर और बिना किसी कानूनी आधार के सिर्फ कांग्रेस नेतृत्व को बदनाम करने के लिए चलाया गया था। केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ईडी ने बार-बार नेशनल हेराल्ड के तथाकथित मामले में कांग्रेस नेतृत्व को फंसाने की कोशिश की लेकिन अदालत के आज के फैसले ने साफ कर दिया कि यह मामला पूरी तरह राजनीतिक द्वेष से प्रेरित था।

समिति ने 20 राज्यों के लिए 507.37 करोड़ रुपये मंजूर किए

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) ने मंगलवार को पंचायती राज संस्थानों में समुदाय-आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डिजास्टर रिस्क रिडक्शन) पहल को मजबूत करने की राष्ट्रीय परियोजना के लिए 20 राज्यों को कुल 507.37 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाते हुए समुदाय की भागीदारी से आपदा-प्रतिरोधी भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करना है। सरकार ने वर्ष 2021 में राष्ट्रीय आपदा शमन निधि की शुरूआत की थी, जिसके तहत समाज को आपदाओं का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। अब इस पहल का विस्तार पंचायत स्तर तक किया गया है।

आधुनिक पढ़ाई को नैतिकता के साथ जोड़ना जरूरीः मुर्मु

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए आधुनिक पढ़ाई को नैतिकता के साथ जोड़ना जरूरी है। उन्होंने यह बातें कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली में आदि जगद्गुरु श्री शिवरात्रीश्वर शिवयोगी महास्वामीजी के 1066वें जयंती समारोह का उद्घाटन के अवसर पर कही। उन्होंने कहा, "विकसित भारत के लिए शिक्षा, नैतिकता, नवाचार, जिम्मेदारी, विकास, समावेश और करुणा का एकीकृत मार्ग अपनाना होगा।" राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई क्षेत्रों में समाकलन आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि देश की प्रगति के लिए आधुनिक शिक्षा को नैतिक ज्ञान के साथ जोड़ना जरूरी है। राष्ट्रपति ने सुत्तूर मठ जैसे संस्थानों की सराहना करते हुए कहा कि वे इस राष्ट्रीय प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे मठ और संस्थाएं आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ-साथ शिक्षा तथा सामाजिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

नवाचार

- शिक्षा, नैतिकता, नवाचार, जिम्मेदारी और करुणा का एकीकृत मार्ग अपनाना होगा: राष्ट्रपति

देशभर में 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा से संचालित

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने स्वच्छ और सतत ऊर्जा के उपयोग की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। देशभर में अब 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जिससे न केवल ऊर्जा लागत में कमी आई है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल रेलवे संचालन को भी बढ़ावा मिला है। रेल मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष में इस पहल को और गति मिली है। नवंबर 2025 तक 318 नए स्टेशनों को सोलर नेटवर्क से जोड़ा गया, जिसके बाद सौर ऊर्जा से संचालित रेलवे स्टेशनों की कुल संख्या 2,626 हो गई है।

सैनी ने हांसी विकास रैली में की परियोजनाओं की घोषणाएं

टीम एक्शन इंडिया

हिसार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हांसी क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति देते हुए जनता को बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं, मूलभूत सुविधाओं, सड़कों तथा सिंचाई सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण सौगातें दी। हांसी में आयोजित विकास रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हांसी में 50 बैड के वर्तमान अस्पताल को अपग्रेड कर 100 बैड का किये जाने की घोषणा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने हांसी के विकास के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये की राशि देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि हांसी शहर के बस स्टैंड पर बरसाती पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था के लिए ड्रेनेज बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हांसी के सेक्टर 5 में एसटीपी और डब्ल्यूटीपी बनेगा। सुल्तानपुर एरिया में कृषि भूमि की सिंचाई के लिए ओपी जिंदल माइनर से नया रजवाहा बनाया जाएगा। कुम्भा-थुराना के वॉटर वर्क्स को भाखड़ा ब्रांच के साथ जोड़ा जाएगा।

अमटी झील के सौंदर्यीकरण किये जाने का ऐलान किया

सीएम ने कहा कि हांसी में पुलिस कर्मियों, अधिकारियों के लिए आवासीय सुविधा युक्त पुलिस लाइन चरणबद्ध तरीके से बनाई जाएगी। इसकी चारदीवारी की आधारशिला रख दी गई है। भूमि उपलब्ध होने पर खेल स्टेडियम, अमटी झील के सौंदर्यीकरण किये जाने का भी ऐलान किया। हांसी में पीडब्ल्यूडी के दायरे में आने वाली सड़को की जरूरत के अनुसार रिपेयरिंग का कार्य करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 10.5 किलोमीटर की 4 सड़कों का कार्य 6 करोड़ से रुपये से अधिक राशि से होगा।

वॉकथॉन *चिट्टा रूपी दीमक को समाप्त करने की दिशा में सख्त और निर्णायक कार्रवाई कर रही सरकार : मुख्यमंत्री*

सीएम ने हमीरपुर में आयोजित एंटी-चिट्टा अवेयरनेस वॉकथॉन का नेतृत्व किया

टीम एक्शन इंडिया

हमीरपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में मादक पदार्थ चिट्टे के खिलाफ व्यापक जन आंदोलन के तहत आज हमीरपुर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के खेल मैदान से पुलिस लाइन दोसड़का ग्राउंड तक आयोजित एंटी चिट्टा जागरूकता वॉकथॉन का नेतृत्व किया, जिसमें समाज के सभी वर्गों ने भाग लिया। इनमें भारी संख्या में विद्यार्थी, जन प्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने वॉकथॉन आरम्भ होने से पहले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्र) के खेल मैदान में उपस्थित लोगों को चिट्टे और मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ जागरूकता शपथ भी दिलाई। पुलिस लाइन ग्राउंड दोसड़का में उपस्थित जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल चिट्टे के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ रहा है। प्रदेश में युवाओं के भविष्य को खोखला कर रहे चिट्टा जैसे घातक नशे के एक-एक कर शिकंजा कसा जा रहा है। चिट्टा के कारोबार से जुड़े संगठित गिरोहों की कमर तोड़? के लिए तकनीक, खुफिया तंत्र और कड़े कानूनों का प्रभावी इस्तेमाल किया जा रहा है।

युद्ध

- यह जन आंदोलन, प्रदेश के लोगों की पुकार और हिमाचल की अस्मिता का युद्ध है: सीएम

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने संकल्प के अनुसार चिट्टा सौदागरों की पहचान, नाम और नेटवर्क सब मिटा देगी। यह जन आंदोलन, प्रदेश के लोगों की पुकार और हिमाचल की अस्मिता का युद्ध है। उन्होंने कहा कि इस महा आंदोलन को आरम्भ हुए 30 दिन हो चुके हैं। विरुद्ध राज्य सरकार आर-पार की लड़ाई लड़ रही है। चिट्टा रूपी दीमक को समाप्त करने की दिशा में सख्त और निर्णायक कार्रवाई की जा रही है। नशे के इस अवैध नेटवर्क से जुड़े तस्करों, सप्लायरों और उनका संरक्षण देने वालों पर

विजय दिवस आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह

विजय दिवस

इस अवसर पर राज्यपाल ने सेवारत एवं पूर्व सैनिकों से भेंट कर उनसे संवाद किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने मंगलवार को कहा कि विजय दिवस केवल अतीत की विजय को स्मरण करने का दिन नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन और संकल्प का अवसर भी है। भविष्य की चुनौतियों और आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा आवश्यकताओं के प्रति स्वयं को निरंतर सुदृढ़ और सजग बनाए रखना होगा।

राज्यपाल सोमवार को विजय दिवस के अवसर पर यहां शौर्य स्थल पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने सेवारत एवं पूर्व सैनिकों से भेंट कर उनसे संवाद किया और राष्ट्र की रक्षा में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की ऐतिहासिक, रणनीतिक एवं निर्णायक सैन्य विजय को स्मरण करते हुए कहा कि यह युद्ध भारत के सैन्य इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है। भारतीय सशस्त्र बलों ने अद्वितीय शौर्य, साहस और कुशल रणनीति का परिचय देते हुए न केवल दुश्मन के 93 हजार सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया था, बल्कि पाकिस्तान के विभाजन के साथ एक नए राष्ट्र, बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त किया था। राज्यपाल ने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों की उत्कृष्ट रणनीति, कठोर प्रशिक्षण, सटीक योजना, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि 54 वर्ष पूर्व इस युद्ध के बलिदानी एवं घायल जवानों के परिवारों की देखभाल करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विजय दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सदैव उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज भारत आधुनिकीकरण, तकनीकी नवाचार, भविष्य के युद्ध कौशल और सैन्य क्षमताओं के क्षेत्र में एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। यह परिवर्तन हमारे सशस्त्र बलों की शक्ति और राष्ट्र की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

इस अवसर पर जीओसी सब एरिया, उत्तराखण्ड मेजर जनरल एमपीएस गिल, संयुक्त मुख्य हाइड्रोग्राफर, रियर एडमिरल पीयूष पौसी सहित सेवारत और भूतपूर्व सैन्य अधिकारी और जेसीओ व जवान मौजूद रहे।

आजाद नगर समेत अन्य इलाकों में बिजली चोरी, कमिश्नर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

कड़ा रुख

कमिश्नर ने साफ किया है कि बिजली चोरी में लिप्त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा,

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

बनभूलपुरा क्षेत्र अंतर्गत आजाद नगर और गांधी नगर में हो रही बिजली चोरी को लेकर कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने कड़ा रुख अपनाया है। कमिश्नर ने बिजली विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिजली चोरी के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बताया गया है कि आजाद नगर और गांधी नगर क्षेत्र में लगभग 87 प्रतिशत तक बिजली चोरी हो रही है, जिससे सरकार के राजस्व को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कमिश्नर दीपक रावत ने कहा कि यह स्थिति किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। जांच में सामने आया है कि कटियाफंसाकर बड़े पैमाने पर बिजली चोरी की जा रही है, जिसमें बिजली विभाग के निचले स्तर के कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। इसे गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर ने बिजली विभाग को प्रवर्तन दल के साथ संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने साफ किया है कि बिजली चोरी में लिप्त लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा, वहीं दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर भी सख्त विभागीय कार्रवाई होगी।

चकोन में नौ दिवसीय थाती पूजन पांडव नृत्य में नजर आया उत्साह

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया

जिले भर में इन दिनों पांडव नृत्य की धूम है। पहाड़ी क्षेत्रों में खेती, बागवानी के काम निपटाने के बाद काश्तकार पांडव नृत्य करवाते हैं। डुंडा ब्लॉक के ग्राम पंचायत चकोन में विगत नौ दिनों से गांव की ईष्ट देवी थात माता मंदिर में हर तीन वर्ष में होने वाली थात माता की पूजा का कल रात्रि पांच पांडवों,गांव की ईष्ट देवी नांगणी, हूण ,लाडबुडा , के सानिध्य में पूणार्हुति के साथ आज पांडवों के द्वारा गैंडा वध के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर ग्राम चकोन वासियों के साथ-साथ धनारी क्षेत्र के लोगों ने यहां पहुंच कर कर पांडवों के पश्वाओं से क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि का आशीर्वाद लिया।

भारत-पाक युद्ध के 54 वी वर्ष गांठ पर शहीदों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

वर्ष गांठ

मारे वीर सैनिकों के पराक्रम और बलिदान के कारण हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित बनी हुई हैं।

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया

जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारत-पाक युद्ध के 54वीं वर्ष गांठ पर शहीद गार्डसमैन सुंदर सिंह के चित्र पर पुष्प चक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मंगलवार को विजय दिवस पर जिला मुख्यालय स्थित शौर्य स्थल ज्ञानसू में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह, पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार , मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस.रावत सहित अन्य अधिकारियों व गणमान्य नागरिकों ने भारत-पाक युद्ध के शहीद गार्डसमैन सुंदर सिंह के चित्र पर पुष्प चक्र एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर राज राइफल्स, आईटीबीपी, उत्तराखंड पुलिस तथा एनसीसी की टुकड़ियों द्वारा शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। समारोह में भारत-पाक युद्ध शहीद गार्डसमैन सुंदर सिंह की धर्मपत्नी वीरनारी श्रीमती अमरा देवी को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि यह पावन दिन है, जब 1971 के युद्ध में हमारे देश की सेनाओं ने अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। यह विजय न केवल एक सैन्य जीत थी, बल्कि यह सत्य, न्याय और मानवीय मूल्यों की भी जीत थी।कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अदम्य पराक्रम की सराहना की और सर्वोच बलिदान देने करने वाले वीर जवानों को नमन किया। उन्होने कहा कि राष्ट की सम्प्रभुता और एकता बनाये रखने के लिए हमें अपने सशस्त्र बलों का सम्मान करना चाहिए और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों के पराक्रम और बलिदान के कारण हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित बनी हुई हैं। देश हमेशा से इन जांबाज योद्धाओं का ऋणी रहेगा।

इस अवसर पर विश्वनाथ पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह नेगी,संरक्षक विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति मेजर आरएस जमनाल, सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सूबेदार महावीर सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

न्यूज फ्लैश

डिजिटल भुगतान में नए उपयोगकताओं को जोड़ने के लिए भीम ने गर्व से स्वदेशी अभियान शुरू किया

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया

भीम पेमेंट्स ऐप, जो कि एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित घरेलू डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म है, ने आज अपने ह्यगर्व से स्वदेशीह्ल अभियान की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में नए उपयोगकताओं को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इल्व्क्ट इस महीने अपनी स्थापना के 10वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस मील का पत्थर मनाने के लिए, नए उपयोगकताओं के लिए ?20 या उससे अधिक के किसी भी लेन-देन पर 20 रुपये का फ्लैट कैशबैक पेश किया गया है।

एक संप्रभु, मेड-इन-इंडिया भुगतान प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित, भीम को भारतीय उपयोगकताओं और उनकी दैनिक भुगतान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। छोटे मूल्य के दैनिक लेन-देन और साझा घरेलू खर्चों से लेकर भरोसे और आसानी पर आधारित फीचर्स तक, भीम इस बात का प्रतीक है कि भारत वास्तव में डिजिटल पैसे का उपयोग कैसे करता है। ह्यगर्व से स्वदेशीह्ल अभियान इसी आधार से प्रेरित है, और यह एक घरेलू डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को मजबूत करता है जो सुरक्षित और समावेशी डिजिटल भुगतानों की पहुँच को बढ़ाता है। इस अभियान के माध्यम से, प्लेटफॉर्म नए उपयोगकताओं के लिए प्रवेश की बाधाओं को कम करने और समाज के विविध वर्गों में डिजिटल भुगतान अपनाने को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।

एनबीएसएल की एमडी और सीईओ, ललिता नटराज ने कहा, ह्लभीम एक डिजिटल, आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास दशार्ता है और यह दशार्ता है कि भारतीय प्रतिदिन किस तरह भुगतान करना पसंद करते हैं। ह्यगर्व से स्वदेशीह्ल अभियान इस विचार पर आधारित है कि एक घरेलू, संप्रभु भुगतान प्लेटफॉर्म को भारतीय उपयोगकताओं की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाना चाहिए। हमारा फोकस नए उपयोगकताओं को डिजिटल भुगतानों में लाने और उन्हें दैनिक जरूरतों के लिए स्थायी भुगतान आदतें बनाने में मदद करने पर है। इस अभियान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भीम को एक पसंदीदा भुगतान ऐप बनाना और इसे भारतीय घरों में लेन-देन का स्वाभाविक हिस्सा बनाना है। एक बार जब उपयोगकर्ता इस ऐप का उपयोग अपने दैनिक खर्चों जैसे कि किराने का सामान, बस या मेट्रो टिकट, प्रीपेड रिचार्ज, बिजली और गैस के बिल भुगतान, और ईंधन शुल्क के लिए करना शुरू कर देते हैं, तो वे पात्र लेन-देन पर एक महीने में 300 रुपये तक का कैशबैक कमा सकते हैं। इस वर्ष की शुरूआत में लॉन्च किया गया नया भीम ऐप 15 से अधिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है, एक विज्ञापन-मुक्त इंटरफेस प्रदान करता है और कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित है। इसमें नई सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं, जैसे कि स्प्लिट एक्सपेंस, फैमिली मोड, स्पेंड एनालिटिक्स, एक्शन नीडेड, और यूपीआई सर्कल, जो इसे पूरे भारत में उपयोगकताओं के लिए एक व्यावहारिक और सहज भुगतान साथी के रूप में और मजबूत बनाती हैं।

अर्ली स्क्रीनिंग से बढ़ती है प्रोस्टेट कैंसर में 99 प्रतिशत तक बचने की संभावना

रुद्रपुर /टीम एक्शन इंडिया

भारत में प्रोस्टेट कैंसर तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य चिंता बन रहा है, खासकर बड़े शहरों में जहां यह पुरुषों में सबसे आम कैंसरों में से एक है। इसकी गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि इसे किस समय पर पहचाना गया। 45ह्म50 वर्ष की उम्र में एक साधारण रक्त जांच पीएसए – बीमारी की दिशा बदल सकती है। यदि कैंसर शुरूआती अवस्था में पकड़ में आ जाए, तो 5 साल की सर्वाइवल रेट लगभग 99 प्रतिशत होती है, जबकि देर से पता चलने पर यह मात्र 32 प्रतिशत तक गिर जाती है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने लॉन्च की ऑल-न्यू हेक्टर उन्नत डिजाइन

देहरादून /टीम एक्शन इंडिया

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज ऑल-न्यू एमजी हेक्टर के लॉन्च की घोषणा की। यह एसयूवी सेगमेंट में बोल्ड डिजाइन, बेजोड़ आराम, अग्रणी तकनीक और डायनामिक ड्राइविंग अनुभव के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है। ऑल-न्यू हेक्टर में नया फ्रंट और रियर बंपर डिजाइन है। साथ ही बिल्कुल नया ग्रिल, नए अलॉय व्हील्स और दो नए रंग–सेलेडॉन ब्लू और पर्ल व्हाइट–शामिल हैं।

इसके इंटीरियर्स में 5-सीटर वेरिएंट के लिए ड्यूल टोन आइस ग्रे थीम और 6 व 7-सीटर वेरिएंट्स के लिए ड्यूल टोन अर्बन टैन थीम दी गई है। यह केबिन को और अधिक प्रीमियम व आकर्षक बनाती है। ऑल-न्यू एमजी हेक्टर रेंज की शुरूआती कीमत 11.99 लाख रुपए (केवल सीमित इकाइयों के लिए) है।

ऑल-न्यू एमजी हेक्टर में नया औरा हेक्स ग्रिल दिया गया है, जो मजबूती और सटीकता का प्रतीक है। इसके साथ फ्रंट और रियर में नए औरा स्कल्प्ट बंपर्स हैं, जो हर एंगल से एक मस्क्युलर और आत्मविश्वासी स्टांस देते हैं। औरा बोल्ट अलॉय व्हील्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे खड़े-खड़े भी ताकत और स्टाइल का एहसास कराएं। नए एक्सटीरियर रंग–सेलेडॉन ब्लू और पर्ल व्हाइट–इसके आधुनिक और प्रीमियम लुक को और निखारते हैं।

इंटीरियर्स को हाइड्रा ग्लोस फिनिश एक्सेंट्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। इनमें हाइड्रोफोबिक ब्लैक-ब्लू इंसर्ट्स हैं जो गहराई, एलिगेंस और लंबे समय तक टिकाऊपन देते हैं। इसके साथ फैब्रिक सीट इंसर्ट्स, लेदर पैक (डैशबोर्ड, डोर्स और कंसोल), फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, टिल्ट व टेलीस्कोपिक एडजस्टेबल स्टीयरिंग और 6-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट दी गई है, जो आराम और प्रैक्टिकलिटी का बेहतरीन संतुलन बनाती है।

ऑल-न्यू हेक्टर का इन्फोटेनमेंट अनुभव भी शानदार है। सेगमेंट की सबसे बड़ी 14-इंच एचडी पोर्ट्रेट टचस्क्रीन के साथ अब स्मार्ट बूस्ट तकनीक से और तेज व स्मूथ हो गया है। इससे सिस्टम का रिस्पॉन्स बेहतर होता है और प्रीमियम डिजिटल अनुभव मिलता है।

इसके साथ सेगमेंट में पहली बार आई स्वाइप टच जेस्चर कंट्रोल दिया गया है, जिससे दो और तीन उंगलियों के स्वाइप से एसी, म्यूज़िक और नेविगेशन जैसे फीचर्स को कंट्रोल किया जा सकता है।

डिजिटल ब्लूटूथ की और की शेयरिंग, प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस अलर्ट्स (सेगमेंट में पहली बार), रिमोट एसी कंट्रोल जैसी सुविधाएं स्मार्टफोन जैसा सहज अनुभव देती हैं।17.78 सेमी की फुल डिजिटल क्लस्टर एलसीडी स्क्रीन ड्राइवर को एक आधुनिक और सहज इंटरफेस प्रदान करती है।

14 वीं प्रादेशिक पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

14 वीं प्रादेशिक जनपदीय, वाहिनी पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 का मंगलवार को भल्ला क्रिकेट स्टेडियम में शुभारंभ हुआ। यह चार दिवसीय प्रतियोगिता आज से 19 दिसंबर तक चलेगी।आज मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ निवेदिता कुकरेती ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद विभिन्न जनपदों एवं वाहिनियों से आई टीमों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। आयोजन के दौरान कप्तान द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और सौहार्द के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई गई।

गंगा तटबंध का निर्माण कार्य प्रारंभ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

हरिद्वार में गंगा के घुमाव पर भू-कटाव रोकने के लिए आस्था पथ के रूप में तटबंध के निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया है। यह तटबंध ग्राम कांगड़ी से लेकर सज्जनपुर पीली तक बनेगा।

पूर्व मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद की मौजूदगी में हवन यज्ञ के साथ ग्राम कांगड़ी से लेकर सजनपुर बाहर पीली तक गंगा किनारे साढ़े 7 किमी लंबाई का साढ़े 5 मीटर चौड़ा और 15 फीट ऊंचाई का विशालकाय तटबंध बनाने के लिए कार्य का शुभारंभ किया गया।

पूर्व मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांगड़ी, गाजीवाली,श्यामपुर, सजनपुर, बाहरपीली की 25 हजार की आबादी को मुश्किलों से निकालने के लिए बड़ी सौगात दी है।

उन्होंने कहा कि चंडीघाट से आगे कांगड़ी, गाजीवाली, श्यामपुर, सजनपुर, बाहर पीली के ग्रामवासियों की खेती की भूमि का निरंतर कटाव हो रहा था और कटाव होते होते आबादी तक पहुंचने लगा था। मानसून शुरू होते ही गंगा किनारे बसे ग्रामीणों में कटाव को लेकर दहशत फैल जाती थी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए गंगा किनारे कटाव को रोकने के साथ बढ़ते धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर 7 कि.मी. लंबा विशालकाय तटबंध निर्माण के लिए मंजूरी दी।

हरिद्वार: विजय दिवस पर शहीदों को अर्पित किए श्रद्धासुमन

विजय दिवस

इस दौरान अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, मीरा रावत, सूचना अधिकारी रती लाल शाह मौजूद रहे

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

विजय दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं जिला प्रशासन के असंयुक्त तत्वधान में जिला कार्यालय सभागार व परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने 1971 युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मेयर नगर निगम किरण जैसल मौजूद रही।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में वीर सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, दुश्मन देश के सैनिकों को युद्ध में परास्त करते हुए विजय हासिल की। जिसमें 3900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि हमें उनके बलिदान, अदम्य साहस एवं शौर्य को नहीं भूलना चाहिए जिन वीर सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

मेयर हरिद्वार किरन जैसल ने शहीद सैनिकों को नमन करते हुए हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। जिलाधिकारी व मेयर ने शहीद वीरनारियों एवं पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

मीशा देवी पत्नी राइफलमैन स्व. मनोज सिंह, मंजू त्यागी पत्नी नायक राधे श्याम, शिला देवी पत्नी सिपाही पारस नाथ, माहेश्वरी देवी पत्नी सूबेदार राजे सिंह नेगी, मिथलेश देवी पत्नी सिपाही बृजपाल सिंह, गीता सैनी पत्नी हवलदार सोनित कुमार सैनी, पूर्व सैनिक कुंवर सिंह, मुकेश कुमार, जगदीश प्रसाद, जरीफ अहमद, दुर्गा दत्त, रामेश्वर प्रसाद आदि को स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, मेडिकल आउटलेट, डिजिटल लाकर, एटीएम, स्लीपिंग पॉड्स, हेल्थ एटीएम कियोस्क, प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल, कैफेटेरिया एवं रेल कोच रेस्टोरेंट के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई-बोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 31.12.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
3878/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कंपनी विषाद एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तराखण्ड के युवाओं को ठगा: श्रीराम युवा वाहिनी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

श्री राम युवा वाहिनी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई जिसका उद्देश्य केंद्र सरकार, उत्तराखंड सरकार, एवं उत्तराखंड तथा देश की जनता के खिलाफ की गयी करोडो रुपए की धोखाधड़ी के सम्बन्ध में कार्यवाह के लिए मीडिया के माध्यम से जानकारी देना है।

इस बड़े घोटाले के संज्ञान में आने के बाद विभाग, सम्बंधित मंत्रालय, पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड एवं मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराने एवं सभी सबूत देने के बाद भी जांच कर कार्यवाही नहीं की गयी, इसलिए प्रेस कांफ्रेंस करने को मजबूर हुए। 6 फरवरी 2020 को उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा दिल्ली की कंपनी विषाद एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड को एक प्रोजेक्ट डीडीयू-जीकेवाई का 3 करोड़ 22 लाख रूपए से ऊपर का ग्रांट देने का अनुबंध किया गया। इस प्रोजेक्ट को अप्लाई करने के लिए बहुत से दस्तावेजों की जरुरत होती है, जिन पर भी पूरा शक है की झूठे दस्तावेज देकर प्रोजेक्ट लिया गया है, जो उत्तराखंड सरकार और पब्लिक के पैसे को ठिकाने लगाने का बहुत बड़ा षड़यंत्र है। जिस पर विभाग वो कागज तक दिखाने को तैयार नहीं, जिनके आधार पर करोड़ो रुपए का उत्तराखंड सरकार का पैसा दिया गया।

सम्बंधित कंपनी के 2 डायरेक्टर है- (अतुल प्रकाश आनंद, विशाल जिंदल), जिनके नाम पर और भी बहुत सारी कम्पनियां दिल्ली तथा अन्य स्थानों पर रजिस्टर्ड है। जिन्हे छुपाया गया है विभाग और कंपनी द्वारा। और सरकार और पब्लिक की आँखों में धूल झोकी गयी है विभाग और कंपनी द्वारा।

विभाग इस प्रोजेक्ट को किसी दूसरे को थर्ड पार्टी करने के लिए कानूनन नहीं दे सकता है, पर कानून का उल्लंघन करके इस कंपनी ने उत्तराखंड में एक रजिस्टर्ड संस्था को धोखे में रखके झूठे दस्तावेज दिखाके, सब कुछ लीगल बताके अनुबंध किया, जिसके बारे में जानते हुए भी कंपनी ने गैर कानूनी अनुबंध किया और विभाग ने सब कुछ जानते हुए भी कंपनी पर कोई कार्यवाही नहीं की , जो कि उत्तराखंड सरकार तथा उत्तराखंड कि जनता के साथ किया गया बहुत बड़ा धोखा है। और आज भी विभाग उस कंपनी का साथ देके, कोई कार्यवाही न करके और भी करोड़ो रुपया उस कंपनी को देके धांधलेबाजी करने के लिए उतारू है। जिस संस्था को धोखे में रखके ये अनुबंध किया कंपनी ने, उनको भी डराने की कोशिश की जा रही है कंपनी और विभाग द्वारा। क्युकी सम्बंधित व्यक्ति का एक डायरेक्टर पहले वकील था लम्बे समय तक, तथा आज भी उसका सगा बड़ा भाई खुद की लॉ फर्म चला रहा है दिल्ली में, और झूठे मुकदमे गैर कानूनी बनाके सार्वजनिक निति के विरुद्ध विभाग का साथ लेकर बचके पैसे को अंदर किया जा रहा है। और अपनी पहुंच और ताकत दिखाके ये सोच रहा है, की ये छोटी संस्थाए तथा उत्तराखंड में रहने वाले छोटे लोग क्या ही कर लेंगे उसका, क्युकी विभाग हर जगह उसे बचाने खड़ा हो जा रहा है, जांच तक कराने में असमर्थ हो रहे है हम लोग इस मामले में। जिन उत्तराखंड के लोकल वेंडर्स तथा संस्था ने काम किया, उनके बारे में विभाग को न बताकर झूठे बिल बनाके आज भी पैसा लिया जा रहा है। और विभाग बिना किसी जांच के घोटाले में सम्मिलित होकर दिए भी जा रहा है।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से सबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	249-DRM-MB-25-26 Dt. 09.12.2025	250-DRM-MB-25-26 Dt. 10.12.2025	252-DRM-MB-25-26 Dt. 10.12.2025
कार्य का नाम	Repair to gate lodge, road surface, height gauge and other miscellaneous work related to standardization of LCs in the section of ADEN/HPU.	Heavy repair to PWI store cum office at HPU and BSC in the section of ADEN/HPU under Sr. DEN/IV/MB.	Heavy repair/ improvement of existing washing line at NBD Depot.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	08.01.2026	08.01.2026	08.01.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	16:00
अनुमानित लागत (रु.)	79,97,870.75	59,93,509.55	63,45,695.42
धरोहर राशि (रु.)	1,60,000.00	1,19,900.00	1,26,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह	6 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.12.2025	25.12.2025	25.12.2025

टेन्डर नं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 16.12.2025
3884/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर भारत
देहरादून, 17 दिसंबर 2025
दैनिक एक्शन इंडिया
www.actionindialive.com

टूरिज्म बूमः टाटा समूह के ताज, विवांता ब्रांड के होटल्स के बड़े विस्तार की तैयारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट में टाटा संस के चेयरमैन ने यूपी में होटल श्रृंखला विस्तार का प्रस्ताव रखा, टाटा समूह के 30 होटल का निर्माण कार्य जारी, 30 नए पर भी हो रहा विचार

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊः उत्तर प्रदेश में वैश्विक एवं घरेलू पर्यटन के तीव्र विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए राज्य के पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में बड़े निवेश की मजबूत तस्वीर उभर रही है। इसी क्रम में टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में समूह की संचालित एवं प्रस्तावित होटल श्रृंखला के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह विस्तार प्रदेश में लगातार बढ़ते पर्यटक आगमन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि तथा कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है। बैठक के दौरान टाटा संस के चेयरमैन ने मुख्यमंत्री को बताया कि ताज, सिलेक्शन्स और विवांता जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 30 होटलों का निर्माण कार्य प्रदेश में वर्तमान में प्रगति पर है। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को इन परियोजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 1900 लक्जरी होटल रूम्स बढ़ जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 2026 तक 30 नए होटल निर्माण की योजना पर

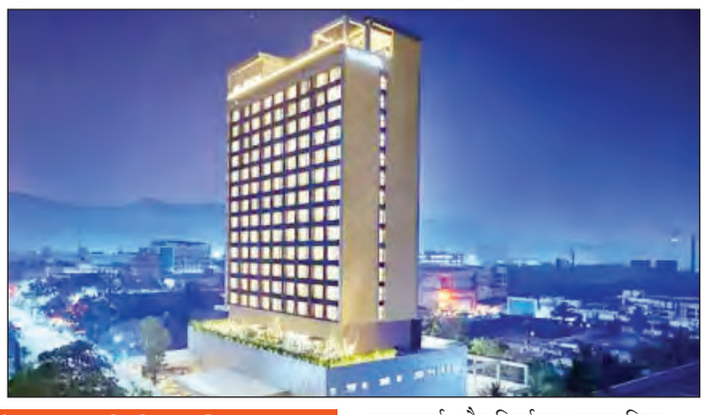

भी कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री से हुई बैठक में एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि नोएडा में टाटा समूह का एक स्टेट ऑफ आर्ट सिग्नेचर होटल भी प्रस्तावित है। जिससे उत्तर प्रदेश भारत के सबसे तेज गति से विकास करने वाले हॉस्पिटैलिटी मार्केट के रूप में उभर कर आएगा। इसके अतिरिक्त, टाटा समूह के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित म्यूज़ियम ऑफ टेम्पल परियोजना के निर्माण कार्य के पहले चरण को जनवरी 2027 तक पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। इस संग्रहालय में अत्याधुनिक तकनीक आधारित डिस्प्ले विकसित किए जा रहे हैं, जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट आकर्षण केंद्र होंगे। यह भी तय हुआ कि मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में मानसी गंगा कुंड, श्याम कुंड, राधा कुंड, अष्टकाशी कुंड, नारी सेमरी कुंड, गरुड़ गोविंद कुंड, कृष्ण कुंड सहित आठ प्रमुख कुंडों के जीर्णोद्धार तथा प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों की स्वच्छता एवं संरक्षण के कार्यों में भी टाटा समूह द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा। टाटा समूह की यह सहभागिता उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम सिद्ध होगी।

टाटा समूह उत्तर प्रदेश में ईवी उत्पादन को देगा विस्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई बैठक में उत्तर प्रदेश में टाटा समूह की संचालित परियोजनाओं तथा भविष्य के निवेश प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के दौरान एन. चंद्रशेखरन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टाटा मोटर्स द्वारा प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मैन्युफैक्चरिंग को विस्तार दिया जा रहा है और ईवी के नए मॉडलों के विकास पर भी कार्य प्रगति पर है।

योगी ने एक ट्रीलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को लेकर किया मंथन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां 20 विभागों की समीक्षा की। उत्तर प्रदेश की 1 ट्रीलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने पर मंथन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास को गति देने के लिए हर आयाम पर फोकस कर कार्य करना है। दो चरणों में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में चल रही विकास परियोजनाओं को तेज गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना आदि मौजूद रहे।

बेटियां और महिलाओं का संबल बना वन स्टॉप सेंटर

लखनऊ : अपनों की उपेक्षाओं का शिकार महिलाओं को जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन स्टॉप सेंटर का साथ मिला तो उन्होंने अपने सपनों को नई ऊचाइयां दीं। कहते हैं जहां चाह है वहां राह है। और यह राह समाज से उपेक्षित महिलाओं को योगी सरकार का वन स्टॉप सेंटर दिखा रहा है। जहां लाखों की संख्या में महिलाएं न केवल अपने सपनों को पंख दे रही हैं बल्कि प्रदेश का नाम भी रौशन कर रही हैं। इसके साथ ही यह महिलाओं आधी आबादी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही हैं।

डॉ. वेदांती का जीवन रामकाज को समर्पित रहाः योगी

अयोध्या, 16 दिसंबर (हि.स.) ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम पहुंचकर वशिष्ठ भवन के ब्रह्मलीन महंत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के वरिष्ठ सदस्य तथा वशिष्ठ भवन, अयोध्या के महंत डॉ. रामविलास वेदांती भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संपूर्ण जीवन अयोध्या धाम के विकास और रामलला के भव्य मंदिर निर्माण को समर्पित रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेदांती जी का पूरा जीवन ही रामकाज को समर्पित था। यह भी एक संयोग है कि प्रभु श्रीराम की पावन कथा का वाचन करते हुए उन्होंने नश्वर देह का त्यागकर साकेतवास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वेदांती के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रारंभिक दौर से लेकर उसके मूर्त रूप लेने और आंदोलन के सफल परिणाम को देखने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण के समारोह में भी वेदांती जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह उनके समर्पण और निरंतर सहभागिता का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1983 में श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के आरंभ से लेकर अब तक आयोजित प्रत्येक आंदोलन और कार्यक्रम में वेदांती की सक्रिय भूमिका रही।

श्रमिक मध्यप्रदेश को गढ़ने वाले सच्चे सेवकः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार हर उस जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है, जो इसके वास्तविक हकदार हैं। हमारी सरकार गरीब, लाचार, श्रमिक, निराश्रित और जरूरतमंद नागरिकों को स्नेह, अपनत्व, स्वावलंबन और आर्थिक सहायता का संबल देती रहेगी। प्रदेश की जनता के सुख-दुख में सरकार हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनकल्याण (सम्बल 2.0) योजना के तहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 55 जिलों के 7227 सम्बल हितग्राहियों के बैंक खाते में 160 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस योजना के प्रारंभ वर्ष 2018 से लेकर अब तक 7.76 लाख प्रकरणों में 7383 करोड़ रुपये की सहायता राशि जरूरतमंद हितग्राहियों को दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना श्रमिकों के कठिन समय की सच्ची

सहायता राशि

- मुख्यमंत्री ने 7227 श्रमिक हितग्राहियों के बैंक खाते में 160 करोड़ रुपये की सहायता राशि अंतरित की

साथी है। सरकार हर परिस्थिति में श्रमिकों के साथ खड़ी है। संबल योजना सिर्फ आर्थिक सहायता का जरिया ही नहीं, यह सरकार और श्रमिकों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ श्रम के स्वरूप भी बदले हैं। हमारी सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को असंगठित श्रमिक का दर्जा दिया है। एक मार्च 2024 से इन्हें भी संबल योजना के दायरे में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 1400 से अधिक गिग वर्कर्स पंजीकृत किए गए हैं। गरीबों और श्रमिकों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए हमने संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत योजना से भी जोड़ दिया है। साथ ही 25 लाख से अधिक नए ई-श्रमिक परिवारों को राशन पात्रता देकर उन्हें भी निःशुल्क राशन का लाभ दिया गया है। गर्भवती बहनों के लिए भी सरकार बेहद संवेदनशील है। गर्भावस्था के दौरान उन्हें काम पर न जाना पड़े और उन्हें पोषण की कमी न हो, इसी उद्देश्य से ऐसी बहनों को 16 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

वी ने पेश किया भारत का पहला रीचार्ज लिंक्ड हैण्डसेट थेफ्ट एंड लॉस इंश्योरेन्स प्लान

टीम एक्शन इंडिया

शिमलाः भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज टेलीकॉम उद्योग के पहले हैण्डसेट थेफ्ट एंड लॉस इंश्योरेन्स प्लान्स के लॉन्च की घोषणा की है ये प्लान आईओएस एवं एंड्रोइड दोनों तरह की डिवाइसेज इस्तेमाल करने वाले प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं।यह अनूठी पेशकश चुनिंदा प्रीपेड रीचार्ज पैक्स के साथ उपलब्ध है जो उपभोक्ताओं की स्मार्टफोन खो जाने की चिंता को हल करेगी जिसे पारम्परिक डैमेज ओनली इंश्योरेन्स पॉलिसियों में अक्सर कवर नहीं किया जाता।मई 2025 में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार तकरीबन 85.5 फीसदी परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन होता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल हैण्डसेट इंश्योरेन्स मार्केट 14 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर 2.6 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने का अनुमान है जबकि मध्यम रेंज के फोन को बदलने करने की लागत रु 20000 से रु 25000 के बीच पड़ती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को राम नगरी अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीरामजन्म भूमि मंदिर एवं हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन पूजन किया।

उत्तर प्रदेश में अमंगल रहा मंगल का दिन, सड़क हादसों में 31 की मौत

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों के लिहाज से मंगलवार का दिन अमगंल ही रहा। कोहरा और तेज रफ्तार के चलते प्रदेश के कई जिलों में मार्ग दुर्घटनाएं हुईं। सोमवार की देर रात और मंगलवार को हुई इन दुर्घटनाओं में 31 लोगों की मौत हुई है और 87 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

इनमें सबसे भीषण हादसा में मथुरा जिले में एक्सप्रेसवे पर हुआ है।यहां वाहनों के आपस में टकराने के बाद आग लगने से 13 लोग जिंदा जल गए। इसके अलावा बस्ती और उन्नाव जिले में चार-चार और लखनऊ, बागपत व बहराइच में दो-दो, नोएडा, मीरजापुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र जिले में एक-एक लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना में जानहानि पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। और कई घटनाओं में मुआवजे का भी ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया है। मथुरा जिले के बलदेव थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास मंगलवार तड़के कोहरे की वजह से कई वाहन आपस में टकरा गई। टक्कर के बाद सात बसों और तीन कारों में आग लग गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

भीम ने गर्व से स्वदेशी अभियान शुरू किया

टीम एक्शन इंडिया

शिमलाः भीम पेमेंट्स ऐप जो कि एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित घरेलू डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म है ने आज अपने गर्व से स्वदेशी अभियान की शुरूआत की जिसका उद्देश्य पूरे भारत में नए उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भीम इस महीने अपनी स्थापना के 10वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस मील का पत्थर मनाने के

डिजिटल भुगतान

- पूरे भारत में नए उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना

लिए नए उपयोगकर्ताओं के लिए 20 रुपए या उससे अधिक के किसी भी लेन देन पर 20 रुपए का फ्लैट कैशबैक पेश किया गया है।

योगी सरकार में दबंगों के हौसले बढ़े, विकास कार्य कराते समय हमला

लोकेश चौधरी

मथुरा । जनपद में पुलिस लगातार दबंगों को सबक सिखाने का कार्य कर रही है पर दबंगों पर इसका असर होता दिखाई नहीं दे रहा आए दिन कही ना कही कोई नया दबंग उभर कर सामने आता रहता है, थाना कोतवाली क्षेत्र के भैंस बहोरा क्षेत्र में किशोरी रमण गल्स इंटर कॉलेज के निकट दबंगों द्वारा वार्ड नंबर 5 के भाजपा पार्षद हनुमान पहलवान पर अचानक हमला कर दिया। पार्षद हनुमान पहलवान अपने क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य कराने पहुंचे जहां क्षेत्र के नैमी गुजर नामक व्यक्ति द्वारा सरकारी कार्य में अड़ंगा डालते हुए पार्षद से कार्य करने की एवज में रकम मांगी, पार्षद हनुमान पहलवान द्वारा कहा गया ये सामाजिक कार्य हैं इलाके में बहन बेटियों के लिए सुलभ शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है।

इस मार्ग पर कई कॉलेज बने हैं जिनमें आने वाली बच्चियों की सुविधा का कार्य किया जा रहा है, इस पर नैमी गुजर ने अपने साथियों के साथ मिल काम रोकने के लिए महिलाओं को आगे कर सड़क जाम करने का काम किया, पार्षद हनुमान पहलवान द्वारा अनुनय विनय कर समझाने का प्रयास किया तो धारदार हथियार से पार्षद पर हमला कर घायल कर दिया, पार्षद द्वारा बताया गया कि नौमी गुजर द्वारा हमला कार गले में पहनी सोने की चैन खींच ली। हमले के दौरान मौके पर होलीगेट चौकी का सिपाही पहुंच गया जिसे हनुमान पहलवान और भीड़ के द्वारा दबंग आरोपित व्यक्ति को पकड़ कर सौंप दिया पर होलीगेट चौकी के सिपाही द्वारा दबंग व्यक्ति को मौके से भगा दिया गया।

पार्षद द्वारा थाने में तहरीर दे दी गई है कोतवाली में विधिक कार्यवाही कर पहलवान हनुमान पार्षद को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

रकम मांगी

- सत्ताधारी दल के पार्षद हनुमान पहलवान पर वार्ड में विकास कार्य कराते समय हमला

राजस्थान हाईकोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। राजधानी जयपुर के राजस्थान हाईकोर्ट को मंगलवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। लेकिन इस बाद मेल कर्ता ने सेशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भेजी। जिसमें लिखा कि हाईकोर्ट में आरडीएक्स रखा है और तीन ब्लास्ट होंगे। न्यायाधीशों के चेंबर-बाथरूम में में बम को प्लांट किया गया है। जितनी जल्दी हो सके, हाईकोर्ट को खाली करवा लो। सेशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर जयपुर पुलिस की ओर से हाईकोर्ट को खाली करवाया गया। पुलिस, एटीएस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। हाई कोर्ट परिसर को खाली करवाकर गहन सर्च अभियान चलाया गया। हालांकि ढाई घंटे तक चले सर्च अभियान में कुछ नहीं मिलने के बाद धमकी भरा ई-मेल झूठा निकलने पर राहत की सांस ली।

धमकी भेजी

- सेशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर आया था हाईकोर्ट को बम से उड़ाने का मेल

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी अशोक नगर) बालाराम ने बताया कि जयपुर के राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस बार सेशन कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर मंगलवार सुबह धमकी भरा मेल भेजा मिला। जहां हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी सेशन कोर्ट की ई-मेल आईडी पर दी गई थी। धमकी भरे मेल में लिखा था कि जयपुर हाईकोर्ट में रखे आरडीएक्स में तीन ब्लास्ट होंगे। न्यायधिशों के चेंबर-बाथरुम में बम को प्लांट किया गया है। जितनी जल्दी हो सके हाईकोर्ट को खाली करवा

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे हादसे में 13 जिंदा जले, 70 झुलसे

लोकेश चौधरी

मथुरा। मंगलवार सुबह यमुना एक्सप्रेसवे के थाना बलदेव क्षेत्र के माइलस्टोन 127 गांव खड़ेहरा पर आगरा से नोएडा जा रही लाइन पर भयानक सड़क हादसा हो गया। यहां विजुअलिटी कम होने के कारण कोहरे में वाहनें आपस में टकरा गए। इससे वाहनों में आग लग गई। बताया जाता है सात बसें और तीन कारों में भीषण आग लगी है। वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसा इतना भयानक था की 13 लोगों की जलकर मौत हो गई जबकि लगभग 150 से अधिक घायलों को उपचार के लिए लगभग 20 एम्बुलेंसों के जरिए चिकित्सालय पहुंचाया गया। एक्सप्रेस-वे पर घटना की सूचना पर इलाका पुलिस व पुलिस प्रशासन प्रशासन व

सड़क हादसा

- वजुअलिटी कम होने के कारण कोहरे में वाहनें आपस में टकरा गए। इससे वाहनों में आग लग गई

स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। रेस्क्यू अभियान चलाया गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। घटना से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। एक्सप्रेस वे पर सुबह-सुबह हुई दुर्घटना की सूचना मिलते ही डीएम सीपी सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया जाता है अग्निकांड इतना भीषण था

की चारों ओर आग ही आग दिखाई दे रही थी। आंख की लफ्ट काफी ऊंची ऊंची उठ रही थी जो किलोनमीटर तक देखी गईं ।लोग बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे।डीएम एसएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। घटना से मार्ग अवरुध हो गया। वाहनों की लाईन लग गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त हुए वाहनों को क्रेन से हटवा कर साईड से किया गया। आग इतनी भीषण थी लगभग एक दर्जन दमकलों ने आग पर काबू पाया। हादसे में कानपुर के लोग ज्यादा घायल हुए हैं।

एक ही परिवार के कई लोग हैं। वहीं पुलिस प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

एसएसपी श्लोक कुमार ने भीषण हादसे में 13 लोगों की जलकर मृत्यु होने की पुष्टि की है। एसएसपी ने बताया लोगों को सरकारी वाहनों से उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया है। रूट डायवर्जन कर वाहनों को निकाला गया। दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। लोगों को रेस्क्यू कर लाया गया है। घटना स्थल से मिले मलवे व अन्य सामान को मोर्चरी में रखवाया गया है। 4 शवों का डीएनए कराया जा रहा है जिससे उनके परिजन आए तो मिलान हो सके। शवों की शिनाख्त कराने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की ओर से फिर दर्ज कराई गई है जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे कडी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो की हुई पहचान

पुलिस ने दो मृतकों की पहचान रामपाल पुत्र पहोड़ीराम निवासी आजमगढ़ व अजिलेंद्र याद पुत्र बंशीधर निवासी मुद्दीनपुर थाना सराय ममरेज जिला प्रयागराज के रुप में हुई है।

योगी ने जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेस वे पर हुए सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों का तत्काल समुचित एवं निशुल्क उपचार सुनिश्चित करते हुए उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख व घायलों को पचास पचास हजार रुपए की आर्थिक राहत सहायता राशि देने की घोषणा की है। सीएम ने अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली है।

संपादकीय

सनातन का विरोध ही सेक्युलर राजनीति है ?

भारत विभाजन के साथ मिली स्वाधीनता से कोई सबक न लेते हुए भारत की राजनीति आज तक तुष्टिकरण के आधार पर चलती रही है। मुस्लिम वोटबैंक को प्रसन्न करने के लिए बिहार का मुख्यमंत्री रहते तथाकथित समाजवादी लालू प्रसाद यादव ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को जेल में डाल दिया, उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए मुलायम सिंह ने निहत्थे रामभक्तों को गोलियों से भुनवा दिया, कांग्रेस साम्प्रदायिक हिंसा बिल ले आई। वो तो भला हो उस समय विपक्ष में होने के बाद भी भाजपा ने इसे पारित होने से बचा लिया। मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण ही पाकिस्तान को सटीक उत्तर देने की जगह अमन का तमाशा किया जाता रहा। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए भारत की सनातन संस्कृति को अनेकानेक प्रकार से चोट पहुंचाई जाती रही। वर्ष 2014 में केन्द्रीय नेतृत्व प्रदान करते हुए नरेन्द्र मोदी ने तुष्टिकरण के कारण सनातन संस्कृति को हुई क्षति की भरपाई के प्रयास शुरू किए। ताजा बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दल अधिक कटु होकर सनातन हिंदू धर्म पर प्रहार कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी दो दिवसीय भारत यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीमद्भगवद्गीता का रूसी अनुवाद भेंट किया। इसको देखकर कांग्रेस और वामपंथी दलों ने न केवल प्रधानमंत्री वरन श्रीमद्भगवद्गीता के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते हुए इसका विरोध किया। कांग्रेसियों ने गीता के लिए मूल शब्द का प्रयोग किया जो एक अक्षम्य अपराध है। वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हैं, अतः इन दो प्रान्तों में सनातन प्रतीकों तथा हिन्दू समाज को अपमानित करने का कार्य भी सबसे अधिक और सबसे तेजी से हो रहा है। पश्चिम बंगाल में वहां के तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने बाबर के नाम की मस्जिद की आधारशिला रखी और प्रशासन चुपचाप खड़ा रहा क्योंकि इस हरकत को मुख्यमंत्री का मौन समर्थन था। उसकी देखा-देखी बिहार और तेलंगाना में भी कुछ कट्टरपंथी मौलानाओं ने बाबरी नाम की मस्जिद व स्मारक बनाने का ऐलान करके साप्रंदायिक तनाव बढ़ाने का काम आरम्भ कर दिया है। इस बाबरी भूत को वह सभी दल प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं जिनकी राजनीति मुस्लिम तुष्टिकरण से चलती है और जो संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मुखिया सपरिवार शौर्य दिवस को सलीम चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ा कर हिन्दुओं को चिढ़ाते दिखे। सपा मुखिया का तुष्टिकरण में संलिप्त यह कृत्य जनता समझ रही है। सपा मुखिया समय-समय पर ऐसे बयान देते रहते हैं जिससे सनातन हिन्दू समाज आहत हो। महाकुंभ से लेकर लेकर अयोध्या के दीपोत्सव तक उन्होंने हिन्दू परम्पराओं का उपहास करते हुए उन्हें ढोंग बताया।

इंसानियत शर्मसार:आस्ट्रेलिया में बेगुनाहों का कत्लेआम

मनोज कुमार अग्रवाल

> "यह स्थिति भविष्य में अप्रिय मोड़ ले सकती है। आस्ट्रेलिया समेत तमाम यूरोपीय देशों में जिस तरह एक कट्टरपंथी समुदाय के लोगों द्वारा इन देशों की उदारवादी नीतियों का फायदा उठाकर पैर जमाने की सुनियोजित साजिश पर काम किया जा रहा है वह इन तमाम देशों पर भविष्य में खतरे की घंटी बजा रही है पिछले दिनों फ्रांस ने भी कट्टरपंथी आगजनी को झेला है"

भारत के पहलगाम की तर्ज पर आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आर्तकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आर्तकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी।

आपको बता दें कि आर्तकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है।

पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया 'आतंकवादी हमला' करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे

सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं।

स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों को चाहिए कि वे वास्तविकता को स्वीकार करें। देश सुरक्षित होगा तो लोकतंत्र सुरक्षित होगा, लोगों के अधिकार सुरक्षित होंगे। वे अपनी सरकार पर दबाव डालें कि कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पाकिस्तान जैसे देशों, जहां कट्टरपंथ जड़ जमा चुका है, के नागरिकों को वीजा और नागरिकता देने में बहुत सावधानी बरतें। लोगों की सोशल मीडिया गतिविधियों को गंभीरता से लें। जो व्यक्ति ऑस्ट्रेलिया में रहकर उसके कानून का सम्मान नहीं करता, संस्कृति की खिल्ली उड़ाता है, हर कहीं अपनी मर्जी चलाता है, उसे स्वदेश भेजने का इंतजाम करें। ऑस्ट्रेलिया के पास मौका है कि वह अपनी पुरानी गलतियों को सुधारे। अति-उदारवाद दिखाने की कोशिश में यूरोप के कई देशों ने मुसीबत मोल ले रखी है। अब उन्हें पछतावा हो रहा है, लेकिन वहां कानून ऐसे हैं कि सरकारें कुछ खास कर नहीं सकतीं। वोटबैंक की राजनीति भी एक बड़ी समस्या है।भारत ने भी पूर्ववर्ती कथित सेकुलरिज्म की झंडाबरदार सियासती दलों की गलत नीतियों के कारण लम्बे समय तक कट्टरपंथी आतंकवाद को झेला है काश्मीर में जिस तरह एक ही रात में कट्टरपंथी मजहबी ताकतों ने मस्जिदों से एलान कर हिन्दूओं को पलायन के लिए मजबूर किया वह इसी कथित सेकुलर उदार सोच का घातक नतीजा था। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता है।

यह स्थिति भविष्य में अप्रिय मोड़ ले सकती है। आस्ट्रेलिया समेत तमाम यूरोपीय देशों में जिस तरह एक कट्टरपंथी समुदाय के लोगों द्वारा इन देशों की उदारवादी नीतियों का फायदा उठाकर पैर जमाने की सुनियोजित साजिश पर काम किया जा रहा है वह इन तमाम देशों पर भविष्य में खतरे की घंटी बजा रही है पिछले दिनों फ्रांस ने भी कट्टरपंथी आगजनी को झेला है।

नई दिल्ली कार्यालय
एक्शन बालाजी हाउस, बी-244, मजलिस पार्क, दिल्ली- 110033

उत्तरी दिल्ली कार्यालय
शक्ति कॉम्पलैक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली- 110042

चंडीगढ़ कार्यालय
फर्स्ट फ्लोर, देश सेवक बिल्डिंग, सेक्टर- 29डी, चंडीगढ़

पंजाब कार्यालय
7/2, थर्ड फ्लोर, मोनिका, टावर, ईआर-146, पक्का बाग, मिलाप चौक, जालंधर

करनाल कार्यालय
224, सेक्टर 32पी, करनाल- 132001

सोनीपत कार्यालय
एक्शन इंडिया कार्यालय, अपोजिट एनएस कम्प्यूटर, झंडी रोड़, गीता भवन चौक सोनीपत- 131001

शिमला कार्यालय
किशोर भवन, जोधा निवास, डेजी बैंक एस्टेट, लोअर जाखू, शिमला- 171001

ऊना कार्यालय
कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना-174303

देहरादून कार्यालय
7/1, बल्लूपुर रोड़, कृष्णा नगर चौक, देहरादून

क्या समाप्त हो रहा है गांधी विचारधारा का युग?

संजय सक्सेना

मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है, आजादी की लड़ाई के प्रमुख नायक रहे हैं। लेकिन आज के भारत में उनकी छवि पर सवाल उठ रहे हैं। कई लोग मानते हैं कि उनको नापसंद करने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर बहसें भड़कती हैं, जहां गांधी को हिंदू विरोधी ठहराया जाता है। खासकर युवा पीढ़ी में यह भावना मजबूत हो रही है। पुरानी किताबें पढ़कर या वीडियो देखकर लोग उनके फैसलों पर सवाल खड़े करते हैं। क्या वाकई गांधी ने हिंदुओं को अनदेखा किया और मुसलमानों पर ज्यादा भरोसा जताया? देश के बंटवारे के समय क्या उन्होंने सिर्फ एक पक्ष के हित सोचे? बदलते भारत में उनके विचार क्यों पीछे छूटते नजर आ रहे हैं? यह बदलाव हाल के वर्षों में नजर आया है। सोशल मीडिया पर गांधी के खिलाफ मीम्स और पोस्ट्स की बाढ़ आ गई है। कुछ लोग उन्हें श्मुस्लिम तुष्टिकरणश का प्रतीक बताते हैं। दावा किया जाता है कि गांधी ने हिंदू भावनाओं को ठुकराया। इसका एक कारण है खत्री हत्या का बदला न लेना। 1948 में नाथूराम गोडसे ने गांधी की हत्या की। गोडसे हिंदू राष्ट्रवाद के समर्थक थे। वे मानते थे कि गांधी ने बंटवारे के दौरान हिंदुओं का नुकसान किया। हत्या के बाद कुछ हिंदू संगठनों ने आक्रोश जताया। लेकिन गांधी ने पहले कलकत्ता में भूख हड़ताल की, जिससे सांप्रदायिक दंगे थमे। फिर दिल्ली में भी ऐसा ही किया। लोगों का कहना है कि इससे हिंदुओं को न्याय न मिला। वे पूछते हैं कि पाकिस्तान जाने वाले हिंदुओं की संपत्ति लूटी गई, तो गांधी ने क्यों चुप्पी साधी? क्या यह हिंदू विरोधी रुख नहीं था? गांधी के फैसलों में कई ऐसे पल हैं, जिन्हें हिंदू विरोधी कहा जाता है। खिलाफत आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। 1919-1924 के बीच गांधी ने तुर्की के खलीफा के पक्ष में मुसलमानों का साथ दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता के नाम पर उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि मुसलमानों का विश्वास जीतें। लेकिन जब खिलाफत विफल हुई, तो हिंदू नुकसान में रहे। मालाबार में विद्रोह हुआ, जिसमें हजारों हिंदुओं की हत्या हुई। गांधी ने इसे श्हिंदू अत्याचारश कहा। लोगों का गुस्सा भड़का। वे कहते हैं कि गांधी ने मुसलमानों की हिंसा को नजरअंदाज किया। इसी तरह कोहाट दंगे में हिंदुओं को घर छोड़ने पड़े। गांधी ने मुसलमानों से संपत्ति न लूटने की अपील की, लेकिन हिंदुओं की चुप्पी पर सवाल न उठाया। देश के बंटवारे के समय गांधी का रवैया सबसे ज्यादा विवादास्पद रहा। 1947 में भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ। लाखों हिंदू और सिख पाकिस्तान से विस्थापित हुए। संपत्ति लूटी गई, महिलाओं पर अत्याचार हुए। लेकिन गांधी ने नेहरू सरकार से पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये देने को कहा।

विचार

नेशनल हरेल्ड केस में गांधी परिवार को बढ़ी राहत

अजय कुमार

नेशनल हेराल्ड केस में मंगलवार को गांधी परिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया। यह मामला 2012 से चला आ रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों के कथित गबन का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक कंपनी है, जो आजादी के आंदोलन के दौर में स्थापित हुई थी और नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ी रही। मामले की जड़ 1938 में है, जब नेशनल हेराल्ड की स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने की। स्वतंत्र भारत में कंपनी को दिल्ली, मुंबई, लखनऊ समेत कई जगहों पर रियायती दरों पर जमीनें मिलीं। 2008 में एजेएल पर 90 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए कांग्रेस ने यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक नॉन-प्रॉफिट कंपनी बनाई। सोनिया और राहुल इसमें 38-38 प्रतिशत शेयरधारक बने, जबकि अन्य कांग्रेस नेताओं के नाम भी जुड़े। यंग इंडियन ने एजेएल को ब्याजरहित 90 करोड़ का कर्ज दिया, बदले में एजेएल ने अपनी 99 प्रतिशत शेयर यंग इंडियन को ट्रांसफर कर दिए। स्वामी ने इसे धोखाधड़ी बताया,इससे एजेएल की मूल्यवान संपत्तियां गांधी परिवार के

नियंत्रण में आ गईं, जबकि अखबार बंद हो चुका था।

2012 में स्वामी की शिकायत पर दिल्ली की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने 2014 में ईओडब्ल्यू (इकोनॉमिक ऑफिंस विंग) को केस सौंपा। ईओडब्ल्यू ने 2015 में सोनिया, राहुल, सैम पितरोदा समेत कई पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। गांधी परिवार ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया, दावा किया कि कर्ज से एजेएल को उबारने का प्रयास था, न कि संपत्ति हड़पने का। मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां 2018-19 में यंग इंडियन को एजेएल शेयर वापस करने का आदेश मिला, लेकिन अपीलें लंबी चलीं। इसी बीच 2018 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का कोण जोड़ दिया कि 700 करोड़ से अधिक की संपत्तियां अपराध की आय हैं। ईडी ने सोनिया-राहुल से कई बार पूछताछ की, रॉबर्ट वाड्रा का नाम भी आया। 2024-25 में केस ने नया मोड़ लिया। नवंबर 2025 में दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू ने नई एफआईआर दर्ज की, जिसमें गांधी परिवार पर सार्वजनिक संपत्तियों को व्यक्तिगत लाभ के लिए हड़पने का आरोप लगाया। ईडी ने इसी आधार पर दिसंबर में मनी लॉन्ड्रिंग की चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई 16 दिसंबर को हुई, जहां जज विशाल गोगने ने ईडी की शिकायत खारिज करते हुए कहा कि निजी शिकायत पर मनी लॉन्ड्रिंग की कार्रवाई नहीं चलाई जा सकती। कोर्ट ने ईओडब्ल्यू की शिकायत से जुड़े रिवीजन पर

भी फैसला सुनाया, जिसमें एफआईआर कॉपी देने से इनकार किया। गांधी पक्ष ने दलील दी कि कोई संपत्ति का उपयोग या प्रदर्शन नहीं हुआ, सिर्फ कर्ज चुकाया गया। यह राहत अस्थायी लगती है, क्योंकि ईडी अपील कर सकती है। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक साजिश का अंत बताया, जबकि भाजपा ने प्रक्रिया जारी कहा। केस ने 13 साल में गांधी परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाया, लेकिन आज का फैसला उनके लिए कानूनी जीत है। मूल मुकदमे में ईओडब्ल्यू की चार्जशीट पर सुनवाई बरकरार है। कुल मिलाकर, नेशनल हेराल्ड का यह सफर नेहरू युग की विरासत से लेकर आज की राजनीतिक जंग तक फैला है, जहां संपत्ति, कर्ज और सत्ता का टकराव केंद्र में रहा।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

एक्शन इंडिया मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रवि भारद्वाज द्वारा एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से मुद्रित।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
'एक्शन इंडिया' में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

आलेख

कौन सुनेगा, किसको सुनाए कबीर सी खरी खरी

डॉ. सुधाकर आशावादी

कबीर जब तक थे, खरा खरा बोलते थे। कागज कलम का उपयोग करते थे या नहीं, यह शोध का विषय है। कबीर के दोहे, धर्म, जाति, क्षेत्र की संकीर्णता से परे थे। उनकी वाणी पूर्वाग्रह से ग्रस्त नहीं थी। ऐसा कबीर साहित्य से स्पष्ट होता है। कबीर आज भी विचारों में जीवित है। साहित्यकार की विशेषता भी यही है, कि वह बरसों सदियों तक अपने विचारों के माध्यम से जीवित रहता है। कभी भी किसी कवि की रचना का अनुवाद करते हुए यह नहीं लिखा जाता, कि कवि कहता था, रचना का अनुवाद करते हुए लिखा जाता है कि कवि कहता है। यह कवि के वैचारिक अस्तित्व का वर्तमान में जीवित होने का प्रमाण है।

बहरहाल बात लेखन में निष्पक्षता व तटस्थता की है। पूर्वाग्रह ग्रस्त विचार स्थाई नहीं होता और न ही वह जन स्वीकृति प्राप्त कर पाता है। यूँ तो कबीर होना सरल नहीं है। कबीर होने के लिए न काहू से दोस्ती न काहू से बैर जैसी मनः स्थिति अपेक्षित होती है। कोई बुरा माने या भला, हमें जो कहना है, हम कहेंगे। ऐसे रचनाकार आजकल कम ही मिलते हैं। लगता है, कि स्वार्थ की राजनीति की तरह अभिव्यक्ति भी संकीर्णता के इर्द गिर्द ही घूमती है। साहित्य हो या सामायिक चिंतन से जुड़े आलेख, पढ़कर लगता ही नहीं, कि कबीर जिन्दा भी है। खेमेबंदी वैचारिक गुलामी और बंधुआपन की प्रतीक बन गई है। कहीं केवल सत्ता को गाली देना ही लेखन का उद्देश्य रह गया है, तो कहीं किसी विशेष विचारधारा का गुणगान करके ऐसे जताया जा रहा है, जैसे केवल एक ही विचार श्रेष्ठ है। विचारों में तर्कशीलता का अकाल पड़ गया है। कोई तर्क आधारित विमर्श मानने के लिए तैयार ही नहीं है। साहित्य के अलम्बरदार केवल सरकारी पुरस्कारों के जुगाड़ में रहते हैं।

एक समय था, कि जब साहित्य को समाज का दर्पण कहकर अनुसरण किया जाता था। समाचार पत्रों में प्रकाशित सामग्री पर बहस हुआ करती थी तथा एक स्पष्ट निष्कर्ष उभर कर आम पाठकों के सम्मुख आता था। समाचार पत्रों के संपादक न तो स्वतंत्र विचारों का खुलकर समर्थन करते थे।

म्हारी पीढ़ी अर बाजार

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

पहला दिन कोई त्योहार को कोनीं थो, पर गाँव में सन्नाटो ऐसा पसरो ज्यूँ सावन बिना बदरा आ ग्यो हो। सूरज भी आधो-आधो निकळ्यो, ज्यूँ सरकारी काम–न पूरा, न बंद। म्हारी पीढ़ी म्हारो हाथ पकड़ के बोली, बाबा, चालो बाजार। मैं समझ ग्यो–यह सैर को न्यौतो कोनीं, यह हालात को इम्तिहान है। कच्ची सड़क पर चलते-चलते पीढ़ी पूछे, बाबा, बाजार में सब मिल जावै? मैंने कहा, हाँ बेटी, सब मिल जावै–दाम, भाषण, आश्वासन, अर सपनाङ्ग बस जो कोनीं मिलै, वो है पेट भर की चीज। गाँव पीछे छूट ग्यो, पर उसके साथ छूट गी फुर्सत। अब हर कदम पे हिसाब थो–कदम भी नाप-तौल के धरना पड़ै, क्यूँकि जमीन भी महँगी हो गी है। पीढ़ी की आँखां में चमक थी, मेरी आँखां में अनुभव–दोनों का मेल ऐसा ज्यूँ मीठे में नमक पड़ ग्यो हो। बाजार पहुँचे तो दुकानों की रौशनी आँखां चुभै। दाल की बोरी ऐंठ काढ़ के खड़ी, ज्यूँ कहै–म्हे देख, म्हे अब रोज-रोज को खाना कोनीं। तेल इठलायो–म्हारो भाव देख, म्हे अब पूजा में ही चढ़ाया जांऊ। सब्जी हँस के बोली–आज मत छुओ, आज म्हारो मूड महँगो है। पीढ़ी अचरज सूं देखे–बाबा, चीजां बोल क्यूँ रिया? मैंने कहा, बेटी, जब आदमी चुप हो जावै, तब चीजां बोलण लाग जावै। दुकानदार तराजू कम, बहाना ज्यादा तौले। हर भाव के साथ एक कहानी–कभी मौसम, कभी सरकार, कभी दुनिया। पर सच्चाई बस इतनी–गरीब अब ग्राहक कोनीं, आँकड़ा है। पीढ़ी ने एक खिलौना देख्यो, हाथ बढ़ायो, फिर खींच लियो–क्यूँकि कीमत पढ़ ली थी। मैं उस पल समझ ग्यो–बचपन सबसे पहले बाजार में मरै। आगे नदी आई। पीढ़ी बोली, बाबा, पानी क्यूँ कोनीं? मैंने कहा, नदी अब कागज में बहै है। किनारे किसान बैठो थो–देह पत्थर, आँखां में सूखा। बोल्यो, सब ठीक है साब, योजना चालू है। मैं समझ ग्यो–जहाँ सब ठीक बतावै, वहाँ असल में कुछ भी ठीक कोनीं। खेतां में फसल कोनीं, पर बोर्ड लगे–उन्नत कृषि योजना। बैल बूढ़ा हो ग्यो, पर कर्ज जवान। किसान की आवाज इतनी धीमी कि हवा भी सुनै तो शरमा जावै। पीढ़ी पूछे–ये अंकल दुखी क्यूँ?

लाडवा के नागरिकों की बदौलत ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मिली प्रदेश की बागडोरः सुमन सैनी

शिलान्यास

- गांव खैरी में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ब्राह्मण धर्मशाला का शिलान्यास

टीम एक्शन इंडिया
बाबैन, 16 दिसंबर (विजय कौशिक) : हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि लाडवा विधानसभा के नागरिकों की बदौलत ही आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को प्रदेश की बागडोर मिल पाए हैं।
नायब सिंह सैनी के मुख्यमंत्री बनने से ही आज लाडवा की पहचान मुख्यमंत्री की विधानसभा के रूप में है । उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी द्वारा मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर के दरवाजे आम आदमी के लिए खोल दिए है। उन्होंने लाडवा विधानसभा के नागरिकों को आह्वान किया कि वो संत कबीर कुटीर की विजिट जरूर करें।
मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार में युवाओं को बिना खर्ची व पर्ची के सरकारी नौकरियां दे रही है और आज सरकारी नौकरी के लिए किसी भी भी व्यक्ति को विधायक और मंत्री से मिलने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अब गरीब व अमीर व्यक्ति के बच्चों को केवल योग्यता के आधार पर मेरिट से सरकारी नौकरियां मिल रही है।
सुमनसैनी मंगलवार को बाबैन क्षेत्र के गांव गांव खैरा, खैरी, बरगट, जलालुद्दीन माजरा, रुडकी व कालीरोनो में लोगों की समस्याएं सुन रही थी। इस अवसर पर गांवों में सुमन सैनी का ग्रामीणों ने फूल मालाएं पहनाकर व बुक्के देकर भव्य स्वागत किया। उन्होंने सभी गांव में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं को निपटने के निर्देश दिए। सुमन सैनी ने गांव खैरी में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ब्राह्मण धर्मशाला का नारियल फोडकर शिलान्यास और बरगट में लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।
सुमन सैनी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए निर्देश दिए कि गांव से कचरा उठाने के लिए जल्द ही रिक्शा की व्यवस्था की जाएगी, जिससे घरों का कचरा गांव से बाहर डाले जाने में आसानी होगी। उन्होंने बुजुर्गों की समस्या पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन को निर्देश दिए कि बुढ़ापा पेंशन गांव में ही वितरित करने की व्यवस्था की जाए, ताकि बुजुर्गों को दूर के गांव में जाकर पेंशन प्राप्त करने में हो रही दिक्कत ना रहे।
नागरिकों को अपने पुराने खान-पान, पहनावे और खेती को अपने की जरूरत
उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान चलाने का आह्वान किया है। इस अभियान को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर स्वदेशी रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस मिशन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे जाकर सहयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपने पुराने खान-पान, पहनावे और खेती को अपने की जरूरत है। हमारे बुजुर्गों द्वारा हमारी जरूरत खुद द्वारा ही तैयार सामान से की जातीथी। तभी हमारे देश को सोने की चिडि?ा कहा जाता था। आज भी हमें स्वदेशी अपनने की जरूरत है।
गांव के विकास के लिए सरकार समय-समय पर भेज रही है ग्रांट
सुमन सैनी ने कहा कि गांव में विकास करने के लिए गांव रुडकी में 57.57 लाख, गांव बरगट में 107.62 लाख, गांव जलालुद्दीन माजरा में 82.46 लाख, गांव बीड़ सोंटी में 50.77 लाख, गांव घड़ोंला में 69.51 लाख, गांव कालीरोनो में 101.73 लाख, गांव खैरा में 72.36 लाख और गांव खैरी में 97.36 लाख रुपए की राशि जारी की गई है।
उन्होंने कहा कि गांव के विकास से ही हमारा देश विकसित भारत बन सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव के विकास के लिए समय-समय पर ग्रांट भेज रहे हैं।

भाजपा विधायक गौतम की जाटों के विरूद्ध अभद्र टिप्पणी समाज की एकता को कर रही प्रभावितः सीड़ा

बैठक

- सर्व जाति सर्व खाप व सर छोटू राम जन कल्याण ट्रस्ट चीका की एक बैठक सम्पन्न हुई

प्रमोद भार्गव,
गुहला चीका। सर्व जाति सर्व खाप व सर छोटू राम जन कल्याण ट्रस्ट चीका की एक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें भाजपा विधायक राम कुमार गौतम द्वारा सीधे तौर पर जाट वर्ग को निशाने पर रखते हुए उनके विरूद्ध लगातार की जा रही अभद्र टिप्पणियों की जोरदार निंदा की गई और विधायक के खिलाफ महामहिम राज्यपाल हरियाणा के नाम एस.डी.एम. गुहला कैप्टन प्रमेश डूषसह को एक संयुक्त ज्ञापन सौंपकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। ज्ञापन देने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए सर छोटू राम जन कल्याण ट्रस्ट चीका के प्रधान नरेंद्र सीड़ा ने कहा सफीदों के विधायक गौतम की टिप्पणियों से न केवल जाट वर्ग में भारी रोष है बल्कि इससे समाज की एकता और अखण्डता भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश का भाईचारा पहले भी 2016 में भाजपा के कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे राज कुमार सैनी के अभद्र टिप्पणी और अपमान जनक शब्दों से जातिगत दंगे हो चुके हैं, जिसका खामियाजा कुछ लोग आज तक भुगत रहे हैं। सीड़ा ने चेताया कि अगर समय रहते हुए राम कुमार गातम को रोका नहीं गया, तो यह आसार दोबारा भी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान समय में विधायक गौतम की अमर्यादित भाषा से पूरा समाज आहत है। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा ने अपनी गंदी राजनीति को हाशिए पर आते देख, एक बार फिर से अपने पूर्व भाजपा सांसद राज कुमार सैनी के काम को आगे बढ़ाने के लिये अब अपने विधायक गौतम के कंधों पर हरियाणा को फिर से जलाने की जिम्मेवारी सौंप दी है और गौतम भी अपने टारगेट को पूरा करते हुए बयानबाजी करके समाज में जहर घोलने का काम कर रहे हैं परंतु बी.जे.पी. हाईकमान मौन धारण किए हुए है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विधायक से जहर बुझे तीर छुड़वाकर प्रदेश में भाई को भाई से लड़वाने की मंशा पाले बैठी है, ताकि इस फूट का लाभ उठाकर वह सत्ता में रह सके। सीड़ा ने कहा कि अब जाट समाज व प्रदेश की जनता पूरी तरह से भाजपा की मंशा को समझ चुकी है और वे किसी भी हालत में उक्त चाल को सफल नहीं होने देंगे।
और इस बार सरकार व भाजपा नेताओं को मुंह की खानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का एक सूत्रीय फामूर्ला है कि वह कभी धर्म के नाम पर, तो कभी जाति के नाम पर प्रदेश के लोगों को आपस में लड़वाती रहे, ताकि लोगों का ध्यान ठप पड़े विकास कार्यों व विफल हो रही कानून व्यवस्था की तरफ न जाए। उन्होंने आम जन का आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा दिलवाए जा रहे बेतुके बयानों का विरोध करें और आपस में भाईचारा बनाए रखें, ताकि सरकार की मंशा पूरी न हो सके। उन्होंने मांग की कि विधायक राम कुमार गौतम की हरियाणा विधानसभा से सदस्यता निरस्सत की जाए और जो भी जाट समाज के विरूद्ध टिप्पणी व जातिय अपमान जनक भाषा का प्रयोग किया है, उन्हें देखते हुए उनके खिलाफ जो भी कानूनी कार्रवाई बनती है, वह जल्द की जाए,

विजय दिवस हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता का प्रतीक : अजय चोपड़ा

टीम एक्शन इंडिया
भिवानी, (वंदना शर्मा)
भिवानी, 16 दिसंबर। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय चोपड़ा ने कहा कि भारत में हर वर्ष 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1971 के भारतझपाक युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक विजय की स्मृति में समर्पित है। इस दिन पाकिस्तान की सेना ने ढ़ाका में आत्मसमर्पण किया था, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ।
विजय दिवस हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और रणनीतिक कौशल का प्रतीक है।
श्री चोपड़ा मंगलवार को विजय दिवस के अवसर पर नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें राष्ट्रीय एकता, आत्मसम्मान और देश की संप्रभुता के महत्व की याद दिलाता है।
विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत नहीं, बल्कि मानवता, स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष की प्रेरक गाथा है।
हमें अपने सैनिकों के त्याग को सदैव स्मरण रखते हुए राष्ट्र सेवा के मूल्यों को अपनाना चाहिए।
उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।
युवाओं में राष्ट्र भक्ति का होना जरूरी है। इसके साथ-साथ युवाओं को हमारे गौरवमयी इतिहास की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश सेवा की जहां बात आती है, वहां जिला भिवानी का नाम बड़े गर्व के साथ लिया जाता है। इस मौके पर जिला सैनिक बोर्ड से राजेंद्र झाझडि?ा, धर्म सम्राट, बलवान सिंह, अमित कुमार के अलावा अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे।

उप स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में मासिक बैठक आयोजित

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना
महेंद्रगढ़। स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएचओ डॉ. पूनम रेबारी, रेणु कुमार व सोनू एएनएम ने की। बैठक का संचालन स्वास्थ्यकर्मी मुकेश चौहान ने किया। बैठक में स्वास्थ्यकर्मी मुकेश चौहान, रेणु कुमारी एवं सोनू ने परिवार नियोजन अपनाने के लिए ग्रामीणों महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन करवाना बहुत जरूरी है। दो बच्चों में उम्र का अन्तर रखने के लिए अस्थाई उपाय कंडोम का प्रयोग, माला एन की टेबलेट लेने या कॉपर-टी लगवाने के बारे में बताया। दो बच्चे होने पर परिवार नियोजन का स्थाई समाधान के लिए महिला या पुरुष नसबंदी करवा लेनी चाहिए।

विजय दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और बलिदान की अमर गाथा का प्रतीक : सोहन

टीम एक्शन इंडिया
बाबैन, 16 दिसम्बर (विजय कौशिक) : आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरगट जट्टान के विद्यालय परिसर में 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत की ऐतिहासिक और शानदार विजय की स्मृति में विजय दिवस बड़े ही धूमधाम तथा देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं एनसीसी कैडेट्स ने देश के वीर सपूतों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बच्चों द्वारा 1971 के युद्ध में भाग ले चुके सैनिकों के जीवन, संघर्ष एवं अनुभवों पर प्रकाश डाला गया। उनके प्रेरणादायक अनुभवों ने विद्यार्थियों को देश सेवा एवं राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर आगे बढ? के लिए प्रेरित किया।
विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों एवं कविताओं की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो उठा।
विद्यालय के प्रधानाचार्य रोबिन कुमार ने 16 दिसंबर 1971 के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है, जिसके परिणामस्वरूप एक नए राष्ट्र बांग्लादेश का उदय हुआ। वहीं विद्यालय के प्रबंधक सोहनलाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि 16 दिसंबर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय सेना के अद्वितीय साहस, शौर्य और बलिदान की अमर गाथा का प्रतीक है।

न्यूज फ्लैश

सोनीपत नागरिक अस्पताल भगवान भरोसेः देवेन्द्र

सोनीपतः सोनीपत नागरिक अस्पताल के हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। हालत यह है कि गर्भवती महिलाएं, जिन्हें समय पर अल्ट्रासाउंड जैसी बेहद जरूरी जांच की आवश्यकता होती है, उन्हें भी अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। यह ब्यान न्याय युद्ध मंच के संचालक समाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र गौतम ने नागरिक अस्पताल में चरमराई स्वास्थ्य सेवाओं पर चिंता जाहिर करते हुवे कही। देवेन्द्र गौतम ने बताया की प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्भवती महिलाओं को अस्पताल प्रशासन द्वारा अल्ट्रासाउंड के लिए सुबह 9 बजे का समय दिया जाता है, महिलाएं समय पर अस्पताल पहुंच जाती हैं, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें बताया जाता है कि आज अल्ट्रासाउंड कब होगा, यह पता नहीं, रेडियोलॉजिस्ट अभी नहीं है, आएगा अभी होगा। देवेन्द्र गौतम ने हैरानी जताते हुवे कहा की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि रेडियोलॉजिस्ट समय पर अस्पताल नहीं आता, जबकि मरीजों को समय बांट दिया जाता है। मजबूरन गर्भवती महिलाओ को बिना किसी जानकारी, बिना किसी जवाब के घंटों अस्पताल में बैठना पड़ता हैं। जब इस अव्यवस्था को लेकर मरीज के परिजनों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से फोन पर संपर्क किया गया, तो जवाब मिला–मैं आज छुट्टी पर हूँ।
अब बड़ा सवाल यह है कि
1. क्या नागरिक अस्पताल में अगर **CMO** छुट्टी पर रहेगी तो क्या अस्पताल की सभी सेवाएं बंद रहेगी?
2. क्या गर्भवती महिलाओं की सेहत और उनके गर्भ में पल रहे शिशुओं की जिम्मेदारी किसी की नहीं है?
3. क्या अस्पताल में डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति अब कोई मायने नहीं रखती?
4. क्या सरकारी अस्पतालों में इलाज अब **CMO** आएंगे तो होगा वाली व्यवस्था पर छोड़ दिया गया है?
यह स्थिति केवल अव्यवस्था नहीं बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता और प्रशासनिक नाकामी को दर्शाती है। गर्भवती महिलाओं को इस तरह मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करना सीधे-सीधे उनके अधिकारों का हनन है। आज हालत यह है कि सरकारी अस्पताल में इलाज समय से नहीं है

जेल लोक अदालत में 6 मुकदमों का हुआ निपटारा

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस
करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मंगलवार को जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन के समक्ष 8 मुकदमे रखे गए, जिनमें से 6 मुकदमों का निपटारा हुआ और 14 मुस्लिमों को आवश्यक शर्तों पर रिहा किया गया। इस दौरान उन्होंने मुस्लिमों को नशा व चोरी न करने की शपथ भी दिलाई। सीजेएम ने जेल मे रह रहे बंदियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इसके बाद सीजेएम ने श्रद्धानंद बाल आश्रम का दौरा कर वहां रह रहे बच्चों से बातचीत की और उन्हें प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने नारी निकेतन निरीक्षण किया और वहां रह रही महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।
सीजेएम ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नशा मुक्त हरियाणा मिशन व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज इंस्पेक्टर राजेश लता द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय पखाणा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामगढ़ में जागरूकता शिविर का आयोजन कर बच्चों को नशे से दूर रहने व बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में कर्मचारियों ने किया जमकर प्रदर्शन

टीम एक्शन इंडिया
बाबैन, 16 दिसम्बर (विजय कौशिक) : उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम सब-डिवीजन कार्यालय बाबैन में कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में धरना लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों ने सब-यूनिट प्रधान रणबीर सिंह के नेतृत्व मे सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष जताते हुए जमकर नारेबाजी की। इस धरने प्रदर्शन में उप-प्रधान अजय कुमार ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर सब-यूनिट प्रधान रणबीर सिंह व यूनिट सचिव संदीप सैनी ने संयुक्त रूप से कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सरकार की गलत नीतियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी पूरी तरह से कर्मचारी हितों के खिलाफ है।
उन्होंने कहा कि कल से आगामी तीन दिनों तक शाहबाद में ड़िवीजन स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरने के तीसरे दिन कर्मचारियों द्वारा एस डी ओ सब-डिवीजन बाबैन के नाम एक ज्ञापन कार्यालय प्रतिनिधी को सौंपा गया जिसमें ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को वापस लेने की मांग की गई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही इस नीति में सुधार नही किया तो अंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। इस प्रदर्शन मे कर्मचारी सूच्चा सिंह, गुरमीत सिंह, विनोद कुमार, प्रमोद, जसविन्द्र कुमार, मंजीत, अनिल, मोहित, राहुल, मुकेश, सचिन, रविकांत, मनीष, लाभ सिंह, महिन्द्र सिंह, मयंक, प्रवीण, अमनदीप, विकास, राजेश सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं: मोहित चौधरी

रक्तदान

- युवामोर्चा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि मां-बाप की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं

तोशाम,(वंदना शर्मा)
तोशाम, 16 दिसंबर भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के पुत्र भारतीय जनता पार्टी के युवामोर्चा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है क्योंकि रक्त का कोई भी विकल्प नहीं है। मोहित चौधरी ने कहा कि मां-बाप की सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है।
मोहित चौधरी ने आज मंगलवार को गांव सरल में हवलदार स्वर्गीय प्रताप सिंह सूरा की सातवीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों, युवाओं और बुजुर्गों को जेबीडीएम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए यह बात कही।
लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के सुपुत्र, युवा भाजपा नेता भाई मोहित जेबीडीएम कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, सरल (तोशाम) में हवलदार स्व. श्री प्रताप सिंह सूरा जी की 7वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए थे।
उन्होंने कहा कि रक्त का और कोई भी विकल्प नहीं है और इसको कोई मशीन भी नहीं बना सकती। वहीं मां-बाप की सेवा हमेशा औलाद पर अपना अनमोल आशीर्वाद बख्स्ती है।
सुनील सुरा और इसकी टीम बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने पिता की पुण्य तिथि पर ऐसा आयोजन करके समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है।
भाजपा युवा मोर्चा नेता मोहित चौधरी ने कहा कि आज युवाओं के पास मां-बाप के लिए कोई समय नहीं है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रति दिन अपना कीमती समय निकालकर हर अपने मां-बाप को कुछ समय अवश्य देंगे, तो वह निश्चित तौर पर जीवन का मुकाम हासिल करेंगे।
भाई मोहित ने रक्तदान जैसे पुनीत कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करते हैं तथा दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि प्रदान करते हैं। उन्होंने रक्त वीरों को भेज लगाकर और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। वहीं समिति द्वारा आयोजित दिव्यांगजनों और अन्य विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र भेंट किये। उन्होंने अन्य होन हॉर विद्यार्थियों को भी समृद्धि चिन्ह देकर सम्मानित किया।
इस अवसर पर श्री महेंद्र केरू, अशोक कुमार, श्री अश्वनी मास्टर, श्री सुनील सूरा, श्री विकास सूरा सहित अनेक प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

युवाओ को नशे जैसी बुराई को छोड़कर राष्ट्र सेवा में आगे आना चाहिः निदेशक

टीम एक्शन इंडिया
भिवानीः हर वर्ष की भांति आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति व सदाचारी शिक्षा समिति के द्वारा विजय दिवस राष्ट्र ध्वज तिरंगा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विवेकानंद हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहरा कर उन सैनिकों को याद किया गया ,जिन्होंने देश को महफूज रखते हुए अपना बलिदान दिया और और देश के ध्वज को सर्वोपरि रखा। जो देश को सुरक्षित रखते हुए हजारों घायल हो गए थे,जिनके शरीर पर आज भी उस समय के युद्ध के घाव हैं। इस अवसर भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एवं हिट एंड रन कानून समिति के सदस्य अशोक कुमार भारद्वाज व निदेशक सावित्री यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति व सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा हर वर्ष देशभक्तों को याद करने के लिए इस प्रकार के देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि देशभक्तों की प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को मिलती रहे । उन्होंने कहा कि जब भी देश पर संकट आया है तो देश के जांबाज सिपाहियों ने देश को महफूज रखा है। आज देश के अंदर नशे जैसी बीमारी युवाओं को जकड़ते जा रही है, जाती, पाती धर्म का बोलबाला बढ़ रहा है ,यह देश के लिए सबसे बड़ा संकट है । इस प्रकार के संकट से निपटने के लिए देश के युवाओं व प्रबुद्ध व्यक्तियों को आगे आना होगा । उन्हें नशे जैसी बीमारी से दूर रहकर राष्ट्र को मजबूत करना होगा ।
तभी देश दुनिया में एक शक्तिशाली देश के रूप में उभर सकता है। राष्ट्रपति पुरस्कार अवॉर्डी अशोक कुमार ने कहा कि विजय दिवस16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के दिल में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ ।भारद्वाज ने कहा कि इतिहास के मुताबिक वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे।
इस अवसर पर देश की एकता व अखंडता सद्भावना के साथ सड़क सुरक्षा का भी संदेश दिया, कि युवाओं को अपनी गाड़ी की रफ्तार सही रखनी चाहिए, नशे में वाहन नहीं चलाना चाहिए।

2025-26 के दौरान शुगर मिल ने 20 दिनों में 5-80 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई की

टीम एक्शन इंडिया
इंद्री 16 दिसंबर(मैनपाल कश्यप) सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने बताया कि चालू सीजन 2025-26 के दौरान शुगर मिल ने 20 दिनों में 5-80 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई कर ली है।
मिल ने औसत 9 प्रतिशत रिकवरी साथ 45 हजार क्विंटल रिफाइंड चीनी का उत्पादन कर लिया गया है।
उन्होंने बताया कि उत्पादित चीनी की गुणवत्ता आईसीयूएमएसए कलर और क्रिस्टल का साईज सरकार द्वारा तय किए गए मानकों अनुसार है। नई चीनी मिल आधुनिक तकनीकी सयंत्रों से सुसज्जित है जो कि राज्य प्रदूषण

नियंत्रण बोर्ड के नियमों को शत प्रतिशत पूरा करता है। इस सन्दर्भ में बॉयलर की चिमनी पर धुआं, राख इत्यादि के नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगाया गया है। जो कि प्रदूषण के सभी मानकों को पूरा करता है इसके अतिरिक्त मिल में ईटीपी प्लांट पर पानी के शोधन के अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए है जोकि मिल से निकलने वाले प्रदूषित पानी को पूर्णतः साफ करने के उपरांत सिंचाई हेतु प्रयोग में लाया जाता है।
उन्होंने बताया कि गन्ना विभाग के कर्मचारियों द्वारा किसानों को मिल में ताजा, साफ-सुथरा और गोला पत्ती रहित गन्ना लाने पर जोर दिया जा रहा है तथा मौजूदा समय में मिल अपनी पूरी कार्य क्षमता के साथ चल रही है। यहाँ पर यह भी उल्लेखनीय है कि मिल ने वर्तमान समय तक 44-51 लाख यूनिट निर्यात करके 2-8 करोड़ राजस्व कि प्राप्ति की है तथा करनाल चीनी मिल ने 30 नवंबर तक की गयी गन्ना आपूर्ति का भुगतान किसानों को कर दिया गया है।

जानकारी

सर्दियों के दौरान छोटे बच्चों के बालों का रखें ख्याल

ताकि न हो जुंए, डैंड्रफ और ड्राईनेस की समस्या

आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बच्चों को बालों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। बालों में जुंए, रूसी (डैंड्रफ) और रूखेपन के कारण बाल खराब हो जाते हैं। इन समस्याओं का मुख्य कारण ये है कि ज्यादातर लोग ठंड के मौसम में अपने बच्चों को रोजाना नहीं नहलाते हैं, जबकि खेलने-कूदने के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा बैक्टीरिया और गंदगी के संपर्क में आते हैं। कई बार बालों की ये छोटी-छोटी समस्याएं त्वचा रोग का कारण बनती हैं और स्कैल्प खराब हो जाता है। बचपन में ही अगर बालों की समस्या हो जाए, तो आगे चलकर बच्चों को बाल झड़ने की समस्या, बालों के कमजोर होने की समस्या आदि काफी बढ़ जाती हैं। इसलिए अपने बच्चे को ऊपर बताई गई समस्याओं से बचाने के लिए और उनके बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको सर्दियों के दौरान कुछ खास बेबी हेयर केयर टिप्स का ध्यान रखना चाहिए।

हफ्ते में 2-3 बार करें शैंपू

अगर आपका बच्चा 6-7 महीने से बड़ा है, तो आप सर्दियों के मौसम में उसे गुनगुने पानी से रोजाना नहला सकती हैं। इसके अलावा 2 साल से बड़ी उम्र के बच्चे, जो आमतौर पर अपने पैरों से चलकर खेलने-कूदने लगते हैं, वो अपने बालों और शरीर को बहुत जल्दी गंदा करते हैं। ऐसे में बालों में जमा धूल-मिट्टी और प्रदूषण कणों को बाहर निकालने के लिए आपको बच्चे को नहलाते समय सप्ताह में कम से कम 2-3 बार उन्हें शैंपू करना चाहिए। शैंपू करने से बालों की गंदगी अच्छी तरह साफ हो जाती है।

अच्छी तरह देखकर करें शैंपू का चुनाव

बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय आपको विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल छोटे बच्चों की स्किन बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए अगर आप बड़ों लोगों वाले शैंपू बच्चों के सिर पर लगा देंगे, तो उनमें मौजूद केमिकल बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय हमेशा इस बात का ध्यान दें कि उसे बनाने में पैराबीन्स, सल्फेट्स और थैलेट्स का प्रयोग न किया गया हो, क्योंकि ये तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। इसकी जानकारी के लिए आपको शैंपू या किसी भी अन्य प्रोडक्ट के पीछे लिखे इंग्रीडिएंट्स वाले सेक्शन को देखना चाहिए। बच्चों के लिए बाजार में अलग से बेबी शैंपू आते हैं, जिनमें हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल कम होता है, जिससे कि बच्चें की त्वचा ड्राई न हो।

सॉफ्ट कंघी/ब्रश का प्रयोग करें

बच्चों के बालों को संवारने के लिए आपको हमेशा मुलायम कंघी और ब्रश का प्रयोग करना चाहिए। दरअसल बच्चे के सिर की त्वचा बाकी जगहों की अपेक्षा ज्यादा मुलायम और पतली होती है। इसलिए अगर आप हार्ड ब्रश या कंघी का प्रयोग करेंगे, तो हो सकता है बच्चे के सिर पर हल्की-फुल्की खरोंच लग जाए, जिसे आप आसानी से न देख पाएं। इस तरह की छोटी-मोटी चोट भी की बार इंफेक्शन और रोगों का कारण बनती है। इसलिए बच्चों के लिए हमेशा सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें।

बालों को मॉइश्चराइज करना है बेहद जरूरी

बड़ों लोगों की ही तरह बच्चों के बालों को भी मॉइश्चराइज रखना बेहद जरूरी है। चूंकि बिना सही मॉइश्चराइजेशन के स्कैल्प ड्राई हो जाता है और इस वजह से कई तरह के त्वचा से संबंधित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बच्चों के बालों को मॉइश्चराइज करने के लिए उनके बालों में तेल की मालिश करना सबसे अच्छा होता है। तेल की मालिश करने से बच्चों के बाल भी घने होते हैं और खोपड़ी में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है। इसके अलावा तेल में मौजूद पोषक तत्व बालों को स्वस्थ और मुलायम रखते हैं। बच्चों के सिर की मालिश आप नारियल के तेल, सरसों के तेल, बादाम के तेल, तिल के तेल और ऑलिव ऑयल आदि से कर सकते हैं।

5 संकेत मिलें तो तुरंत कराएं आंखों की जांच देर करना हो सकता है खतरनाक

आंखें हमारी जिंदगी के लिए जरूरी शर्त नहीं हैं, मगर शायद जिंदगी को अच्छी तरह समझने के लिए आंखों का अपना बड़ा महत्व है। बनावट के आधार पर आंखों को शरीर का सबसे संवेदनशील अंग माना जाता है। इसलिए आंखों की छोटी से छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना कई बार बहुत खतरनाक भी हो सकता है। दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या लाखों में हैं, जो जन्म से अंधे नहीं थे, मगर 40-50 की उम्र आते-आते उनकी आंखों के देखने की क्षमता चली गई। दरअसल शरीर से जुड़ी किसी भी समस्या को अगर शुरुआती अवस्था में पहचान लिया जाए और सही इलाज किया जाए, तो ठीक किया जा सकता है। मगर ऐसी बहुत सी बीमारियां और समस्याएं हैं, जो वक्त गुजरने के बाद पता चलती हैं और तब तक मेडिकल साइंस भी आपकी मदद नहीं कर पाता है।

आंखें भी ऐसा ही एक अंग हैं, जो यदि एक बार खराब हो जाएं, तो इन्हें दोबारा ठीक करना बहुत मुश्किल है। फिर एक ही विकल्प बचता है और वो है आई ट्रांसप्लांट, जिसके लिए डोनर मिलना और खर्चे उठाना आसान बात नहीं है। इसीलिए आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आपको तुरंत अपने आंखों की जांच करा लेनी चाहिए।

धुंधला दिखने पर

वैसे तो आंखों का धुंधलापन बिल्कुल स्पष्ट संकेत है कि आपको अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। मगर कुछ लोग धुंधलेपन को शरीर की कमजोरी से जोड़कर देखते हैं, इसलिए वे इंतजार करते रहते हैं और दूसरे उपाय अपनाते रहते हैं। यह बात भी सही है कि शारीरिक कमजोरी और एनर्जी की कमी, आंखों के धुंधलेपन का कारण बन सकती है। मगर ये समस्या किसी बीमारी का भी संकेत हो सकती है, जो वक्त के साथ आपकी आंखों की रेटिना को डैमेज कर सकती है। इसलिए अगर आपको कई दिन या सप्ताह तक लगातार या फिर कुछ-कुछ दिनों में धुंधला दिखाई देने की समस्या होती है, तो आपको अपनी आंखों की जांच जरूर करा लेनी चाहिए।

लगातार सिर दर्द की समस्या

सिर दर्द आपको भले ही सिर और माथे के हिस्से में महसूस होता है, मगर इसका कारण आपकी आंखों की समस्या भी हो सकती है। जब आपकी आंखों में किसी तरह की कोई परेशानी होती है, तो वस्तुओं पर फोकस केंद्रित करने वाली मसल्स (कोशिकाओं) पर अनावश्यक दबाव बढ़ जाता है, जिसके कारण उनमें दर्द की समस्या हो सकती है। ये कोशिकाएं सीधे आपके मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, इसलिए आपको सिर में दर्द महसूस होता है। अक्सर ऐसे लोगों को सिर दर्द की समस्या तब होती है, जब वो बहुत अधिक ध्यान लगाकर काम करने की कोशिश करते हैं या फिर कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल या अन्य स्क्रीन वाले गैजेट्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इसलिए लगातार सिर दर्द की समस्या होने पर भी आपको आंखों की जांच करानी चाहिए।

आंखें पर दबाव महसूस हो

अगर आपको कुछ दिनों से ऐसा महसूस होने लगा है जैसे कि कोई अदृश्य हाथ आपकी आंखों को दबा रहे हैं, तो ये आंखों की ही एक कॉमन बीमारी 'ग्लूकोमा' का संकेत हो सकता है। ग्लूकोमा की शुरुआत होने पर व्यक्ति को अपनी आंखों की पुतलियों पर दबाव महसूस होता है। मगर ऐसा होने पर आपको घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ग्लूकोमा का इलाज आसानी से उपलब्ध है। हां, अगर आप इसे लंबे समय तक नजरअंदाज करेंगे, तो ग्लूकोमा आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ऐसे लक्षण महसूस होने पर बिना देरी किए आई-स्पेशलिस्ट से मिलें और आंखों की जांच कराएं।

रात में साफ न दिखाई देना या रतौंधी

आमतौर पर बहुत अधिक अंधेरा होने पर सामान्य आंखों के लिए भी देखना मुश्किल होता है, मगर यदि आपको शाम के समय यानी हल्की रोशनी होने के बावजूद चीजें साफ-साफ न दिखाई दें, तो भी ये आंखों से जुड़े रोग का संकेत है। इस रोग को रतौंधी भी कहते हैं, जो 'रात के अंधेपन' का शार्ट फॉर्म है शायद। आंखों में ऐसी समस्या कई कारणों से हो सकती है, जैसे- शरीर में विटामिन ए की कमी और मोतियाबिंद आदि। इसलिए आपको ऐसे लक्षण दिखने पर भी तुरंत आंखों के डॉक्टर से मिलना चाहिए।

रोशनी में चकाचौंध लगना या सिर दर्द होना

अचानक आंखों पर तेज रोशनी पड़ने पर आंखों का बंद होना स्वाभाविक है। मगर सामान्य स्थिति में कुछ सेकंड्स के बाद आपको धीरे-धीरे दिखना शुरू हो जाता है, जबकि लाइट सेंसिटिविटी से जूझ रहे लोगों के लिए तेज रोशनी को बर्दाश्त करना बिल्कुल मुश्किल होता है। आंखों के विशेषज्ञ इसे फोटोफोबिया कहते हैं। ऐसे लोगों को तेज लाइट में जाते ही आंखें बंद करनी पड़ती हैं और कई बार उन्हें चक्कर आने, सिर दर्द होने, उल्टी जैसे लक्षण भी शुरू हो जाते हैं। लाइट सेंसिटिविटी का कारण आंखों का कोई इंफेक्शन या कोई रोग हो सकता है, इसलिए बिना देर किए डॉक्टर से जांच कराएं और खतरे से दूर रहें।

सेहत

सर्दियों में गुड़ के साथ दूध लेने के बेहतरीन फायदे

सर्दियों से बचने के लिए हम कितने ही जैकेट, स्वेटर क्यों न पहन लें? लेकिन जब तक हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहेगी, तब तक हम छोटी-छोटी बीमारियों का शिकार होते रहेंगे। ऐसे में गुड़ के साथ दूध का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ सर्दियों में होने वाली सर्दी-जुकाम, कफ जैसी कई परेशानियों को भी दूर करता है। आइए, जानते हैं गुड़ के साथ दूध पीने के फायदे-

दूध और गुड़ में मौजूद तत्व

दूध में अधिक मात्रा में विटामिन ए, विटामिन बी और डी के अलावा कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड भी पाया जाता है। वहीं दूसरी ओर गुड़ में अधिक मात्रा में सुक्रोज, ग्लूकोज, खनिज तरल और पानी कुछ मात्रा में पाया जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा और कई तत्व पाएं जाते हैं।

नेचुरल ब्लड प्यूरीफायर

गुड़ में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को साफ कर देता है, इसलिए रोजाना गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके शरीर से ऐसी अशुद्धियां निकल जाती है, जिससे आपको कोई बीमारी नहीं होगी और आप निरोग महसूस करेंगे।

मोटापे को करें कंट्रोल

माना जाता है कि अगर आप दूध के साथ चीनी का इस्तेमाल करते है, तो इसकी जगह आप गुड़ का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपका वजन कंट्रोल में रहेगा, जिससे आप मोटापे का शिकार नहीं होंगे।

पेट संबंधी समस्या को रखे ठीक

अगर आपको पाचन संबधी कोई भी समस्या है, तो गर्म-गर्म दूध और गुड़ का सेवन करें, ऐसा करने से आपको पेट संबंधी हर समस्या से निजात मिल जाएगी।

जोड़ों के दर्द को करें दूर

गुड़ खाने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है, अगर रोजाना गुड़ का एक छोटा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाया जाए, तो जोड़ों में मजबूती आएगी और दर्द भी दूर हो जाएगा। इससे आपकी खूबसूरती को बढ़ेगी। गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपकी त्वचा मुलायम होने के साथ-साथ त्वचा संबंधी समस्या न होगी। इसके साथ ही इसका सेवन करने से आपके बाल भी हेल्दी रहेंगे।

पीरियड्स में दर्द को करे ठीक

कहा जाता है कि अगर आपको कही दर्द हो, तो गर्म दूध पीने से तुरंत आराम मिल जाता है और महिलाओं को पीरियड के समय का दर्द हो रहा हो तो गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से आपको इससे निजात मिल सकती है। आप फिर पीरियड शुरू होने के 1 हफ्ते पहले 1 चम्मच गुड़ का सेवन रोजाना करें। इससे आपको दर्द से निजात मिलेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2679

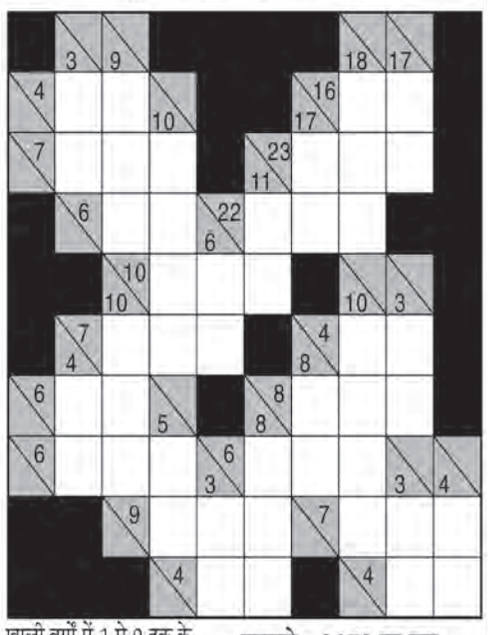

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्गा की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

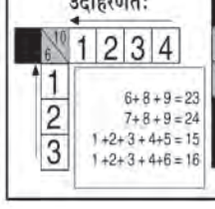

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2678 का हल

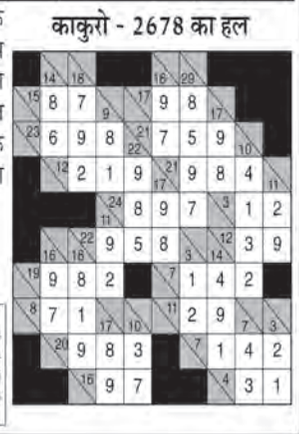

हंसी के फव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय, मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से) भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 2679

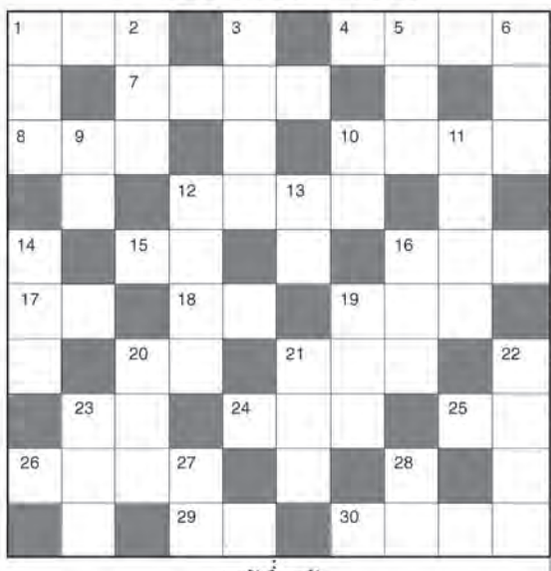

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2678

चा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		ग	व	ण	व	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जीं	त		मा		य	ती	म		च
चा		कु	द	र	त		ह्य	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ल्ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -2679

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2679 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 2679

बाएँ से दाएँ

1. दयालु, उदार-5
4. गगन, आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा, गाऊन-3
9. छुट्टी, अवकाश-2
10. आबे हयात, काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना, भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत, बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम, सूरी-5
22. दुत्कारना, डाँटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर, सवेरा-3
28. मूल्य, कीमत-2
29. महीन, बहुत छोटा-3
30. फूंक, दम, सुट्टा -2
32. झंकार, प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता, ज्वर-2
36. ओट, चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर, सना हुआ-4
39. निर्माता, रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी, बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत, तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई, चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली, रिक्त-2
16. लाईन, पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन, दरिद्र-3
21. लश्कर, फौज-2
22. नष्ट, अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय, धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा, अभिलाषा-3
35. राह, मार्ग-2
37. टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2678 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
व	च	न		स्य	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		रि	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		व	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	ते	द्र	

अंडर-19 एशिया कपः कुंडू के दोहरे शतक और दीपेश की पंजे से भारत ने मलेशिया को हराया

दुबई (यूएई)। विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू के ऐतिहासिक दोहरे शतक और गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन के शानदार पांच विकेट की बदौलत भारत अंडर-19 टीम ने एसीसी पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2025 में मलेशिया को 315 रनों के विशाल अंतर से हराया। मंगलवार को दुबई में खेले गए इस मुकाबले के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की और ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा। मलेशिया की टीम अब तक जीत का खाता नहीं खोल सकी है। टॉस जीतकर मलेशिया अंडर-19 टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इस पारी के नायक रहे अभिज्ञान कुंडू, जिन्होंने शानदार नाबाद 209 रन बनाकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। कुंडू युथ

जीत का परचम

- भारत ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की और ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने, जबकि कुल मिलाकर ऐसा करने वाले वह दुनिया के दूसरे खिलाड़ी हैं। भारत की शुरूआत कुछ झटकों के साथ हुई। कप्तान आयुष म्हात्रे (7 गेंदों में 14 रन) और विहान मल्होत्रा (14 गेंदों में 7 रन) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाकर आक्रामक पारी खेली, जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 106 गेंदों में 90 रन (7 चौके) बनाकर पारी को संभाला। सूर्यवंशी

के 11वें ओवर में आउट होने के समय भारत का स्कोर 3 विकेट पर 87 रन था। इसके बाद क्रीज पर आए अभिज्ञान कुंडू ने आते ही गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने वेदांत त्रिवेदी के साथ 181 गेंदों में 209 रनों की विशाल साझेदारी की।

ल इसके बाद कनिष्क चौहान के साथ मिलकर सिर्फ 36 गेंदों में 87 रन जोड़े। कुंडू ने अपनी पारी में 17 चौके और 9 छक्के लगाए। कुंडू ने मात्र 44 गेंदों में अर्धशतक, 80 गेंदों में शतक और सिर्फ 121 गेंदों में ऐतिहासिक दोहरा शतक पूरा किया। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने मलेशिया के सामने 409 रनों का लक्ष्य रखा। इस दौरान उन्होंने अंबाती रायुडू का भारतीय अंडर-19 वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (177*) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। 409 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशिया की टीम भारत के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आई और 32.1 ओवर में 93 रन पर सिमट गई। मलेशिया की ओर से हमजा पांगी ने 52 गेंदों में 35 रन (4 चौके) बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए। भारत के लिए गेंदबाजी में दीपेश देवेंद्रन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 22 रन देकर 5 विकेट झटके। उधव मोहन ने भी 2 विकेट अपने नाम किए।

आईपीएल नीलामीः एमआई में लौटे डी कॉक, बेयरस्टो-गुरबाज को नहीं मिले खरीदार

अबू धाबी (यूएई)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी में विकेटकीपर खिलाड़ियों के सेट में कई बड़े नाम शामिल थे, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि इनमें से सिर्फ तीन खिलाड़ियों को ही खरीदार मिल सका और वे भी अपनी-अपनी बेस प्राइस पर ही बिके। इस नीलामी में सबसे अहम पल रहा दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक का मुंबई इंडियंस में वापस लौटना। मुंबई ने उन्हें उनकी बेस प्राइस 1 करोड़ रुपये में खरीदा। डी कॉक ने हाल ही में व्हाइट-बॉल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला वापस लेते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी की है। डी कॉक ने मुंबई इंडियंस के लिए अब तक 43 मैचों में 1,329 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 34.08 और स्ट्राइक रेट 131.32 का रहा है, जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डी कॉक दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

हैं। उन्होंने 99 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2,706 रन बनाए हैं, औसत 30.40 और स्ट्राइक रेट 139 से अधिक का रहा है। इसमें 1 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। कुल टी-20 क्रिकेट में उनके नाम 416 मैचों में 11,543 रन, 7 शतक और 76 अर्धशतक दर्ज हैं। आईपीएल में डी कॉक ने सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए 115 मैचों में 3,309 रन बनाए हैं। उनका औसत 30.63 और स्ट्राइक रेट 134 से अधिक रहा है, जिसमें 2 शतक और 24 अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि, पिछले सीजन केकेआर के लिए उनका प्रदर्शन कमजोर रहा था, जहां उन्होंने 8 मैचों में 152 रन बनाए थे। डी कॉक मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल खिताब भी जीत चुके हैं। नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज बेन डकेट को उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में खरीदा। डकेट ने इंग्लैंड के लिए 20 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 527 रन बनाए हैं, उनका स्ट्राइक रेट 153 से अधिक है। कुल टी-20 क्रिकेट में डकेट के नाम 216 मैचों में 5,397 रन दर्ज हैं। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज फिन एलन को भी उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें अपने खेमे में शामिल किया। एलन ने 52 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,285 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 163 से अधिक रहा है।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में कांस्य जीतने पर कप्तान ने टीम के आत्मविश्वास को सराहा

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और डिफेंडर रोहित ने एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक जीतने के बाद टीम के जज्बे, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की सराहना की है। भारत ने तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 4-2 से शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज कर कांस्य पदक अपने नाम किया। पिछले दो जूनियर विश्व कप संस्करणों में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारत ने इस बार नाटकीय अंदाज में पोडियम पर वापसी की। हॉकी इंडिया के अनुसार यह मुकाबला टूर्नामेंट की सबसे यादगार वापसी में से एक रहा। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत 0-2 से पीछे था, लेकिन अंतिम 15 मिनट में जबरदस्त आक्रमण करते हुए भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में लगातार चार गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कप्तान रोहित ने कहा, यह कांस्य पदक टीम के हर खिलाड़ी के लिए बहुत मायने रखता है। पिछले दो जूनियर वर्ल्ड कप में चौथे स्थान पर रहने के बाद इस बार हमारा लक्ष्य पोडियम पर लौटना था। 0-2 से पिछड़ने के बावजूद जिस तरह टीम ने वापसी की, वह हमारे विश्वास, मानसिक

मजबूती और एक-दूसरे पर भरोसे को दशार्ता है। अर्जेंटीना के खिलाफ वापसी पर 21 वर्षीय डिफेंडर ने आगे कहा, ह्लतीसरे क्वार्टर के अंत में हमने खुद से कहा कि शांत रहना है और अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कोचिंग स्टाफ लगातार कह रहा था कि एक गोल मैच की दिशा बदल सकता है। जैसे ही पहला गोल हुआ, हर खिलाड़ी ने जिम्मेदारी ली। अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ आखिरी क्वार्टर में चार गोल करना हमारे लिए हमेशा गर्व की बात रहेगी। पूरे टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। टीम ने पूल चरण के सभी मुकाबले जीते, इसके बाद क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने मजबूत वापसी करते हुए टूर्नामेंट का समापन पदक के साथ किया। टीम के समग्र प्रदर्शन पर रोहित ने कहा, हमने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन हॉकी खेली। सभी पूल मैच जीतना और फिर बेल्जियम को शूटआउट में हराना दबाव में हमारी संयमित सोच को दिखाता है। सेमीफाइनल की हार मुश्किल थी, लेकिन खिलाड़ियों ने परिपक्वता दिखाई और कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। ड्रैगफ्लिक में माहिर रोहित अब हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में नजर आएंगे।

हर्षल पाठक को नेपाल महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त

काठमांडू। भारत के हर्षल पाठक को नेपाल महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसकी घोषणा मंगलवार को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने की। हर्षल पाठक आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में नेपाल महिला टीम का मार्गदर्शन करेंगे और खिलाड़ियों के विकास तथा टीम की तैयारी की जिम्मेदारी संभालेंगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने भरोसा जताया कि उनकी नियुक्ति से नेपाल महिला टीम के प्रदर्शन में मजबूती आएगी। इससे पहले हर्षल पाठक थाईलैंड की पुरुष क्रिकेट टीम की कोच रह चुके हैं। नेपाल ने इस पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके बाद पाठक को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। हर्षल पाठक की कोचिंग में नेपाल महिला टीम अब आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालीफायर में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन 18 जनवरी से 1 फरवरी तक नेपाल में ही किया जाएगा।

एशिया क्वालीफायर में उपविजेता रही थी नेपाल महिला टीमः इससे पहले इस साल नेपाल ने एशिया क्वालीफायर में उपविजेता रहकर ग्लोबल क्वालीफायर में जगह बनाई थी। मई में थाईलैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट में थाईलैंड शीर्ष पर रहा था। एशिया को ग्लोबल क्वालीफायर के लिए दो स्थान मिले थे, जबकि अमेरिका क्षेत्र को केवल एक स्थान आवंटित किया गया था। एशिया क्वालीफायर के अहम मुकाबले में नेपाल ने यूएई के 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत दर्ज की थी। कप्तान इंदु बर्मा ने 33 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई और एक मैच शेष रहते हुए ग्लोबल क्वालीफायर का टिकट पक्का किया।

आईपीएल नीलामी में पथिराना पर केकेआर ने लुटाए 18 करोड़, रवि बिश्नोई राजस्थान पहुंचे

अबू धाबी (यूएई)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी में मंगलवार को कई बड़े और चौंकाने वाले सौदे देखने को मिले। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 18 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर खरीदा, जबकि मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को सिर्फ 2 करोड़ रुपये में हासिल कर सस्ते सौदे का फायदा उठाया। भारतीय लेग स्पिनर रवि बिश्नोई राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खेमे में चले गए। पथिराना के लिए नीलामी की शुरूआत दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने की, जिसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी रेस में शामिल हो गई। डीसी और एलएसजी के बीच बोली 10.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। जब कीमत 15.80 करोड़ रुपये पर थी, तब केकेआर ने एंट्री लेते हुए पहले 16 करोड़ और फिर सीधे 18 करोड़ रुपये की बोली लगाकर सौदा अपने नाम कर लिया। श्रीलंकाई रफ्तार के सौदागर पथिराना ने अब तक 21 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31 विकेट लिए हैं, उनका औसत 18.25 का रहा है, जिसमें दो चार विकेट हॉल शामिल हैं। कुल टी-20 क्रिकेट में उन्होंने 100 मैचों में 133 विकेट झटके हैं। आईपीएल में पथिराना ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 32 मैचों में 47 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2025 में उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट चटकाए थे। भारतीय लेग स्पिनर रवि बिश्नोई, जिनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये थी, को राजस्थान रॉयल्स ने 7.40 करोड़ रुपये में खरीदा। बिश्नोई के लिए चेन्नई सुपर

किंग्स (सीएसके), राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली,

नीलामी

- ग्रीन के लिए पहले राजस्थान रॉयल्स और केकेआर के बीच कड़ी बोली चली, राजस्थान 13 करोड़ रुपये पर बाहर हो गई

लेकिन अंततः बाजी राजस्थान ने मारी। बिश्नोई ने 42 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 61 विकेट लिए हैं, उनका औसत 19.37 का रहा है।

नीलामी का एक और बड़ा आकर्षण रहा जैकब डफी का सस्ता सौदा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज को 2 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। डफी इस साल शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 2025 में 21 मैचों में 35 विकेट लिए हैं और वह 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिनके नाम 35 मैचों में 72 विकेट दर्ज हैं। कुल टी-20 करियर में डफी ने 156 मैचों में 178 विकेट चटकाए हैं। इससे पहले नीलामी की शुरूआत ही धमाकेदार रही, जब ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा।

इसके साथ ही ग्रीन आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी और सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए। ग्रीन के लिए पहले राजस्थान रॉयल्स और केकेआर के बीच कड़ी बोली चली, जिसमें राजस्थान लगभग 13 करोड़ रुपये पर बाहर हो गई।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले एडिलेड इंटरनेशनल में हिस्सा लेंगे नोवाक

एडिलेड। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 की तैयारी के लिए एडिलेड इंटरनेशनल में हिस्सा लेंगे। जोकोविच इस टूनार्मेंट के जरिए अपने 11वें ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब और रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम की दावेदारी की शुरूआत करेंगे। एटीपी-डब्ल्यूटीए संयुक्त टूनार्मेंट एडिलेड इंटरनेशनल का आयोजन 12 से 17 जनवरी तक किया जाएगा। इसके बाद साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा। जोकोविच ने अपना आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब 2023 में जीता था और उसके बाद से उन्होंने टूर पर अपने मैचों की संख्या कम कर दी है। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने इस साल जिनेवा और एथेंस में खिताब जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया। टूनार्मेंट आयोजकों ने मंगलवार को पुष्टि की कि एडिलेड इंटरनेशनल में पुरुष वर्ग में जोकोविच के अलावा जैक ड्रेपर, जोआओ फोंसेका, टॉमी पॉल और स्टेफानोस सितसिपास जैसे शीर्ष खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स में भारत के युवा पैरा शटलरों का जलवा

नई दिल्ली। दुबई 2025 एशियन यूथ पैरा गेम्स में भारतीय युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैरा बैडमिंटन स्पधाओं में कुल 8 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारतीय दल ने इस टूनार्मेंट में कुल 17 पदक (8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य) जीतकर देश का नाम रोशन किया। भारत की इस ऐतिहासिक सफलता के केंद्र में रहे जतिन आजाद, जिनके संयमित और आत्मविश्वास से भरे खेल ने टीम की जीत की नींव रखी। आजाद ने रव5 वर्ग में दोहरा स्वर्ण जीता। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया और फिर शिवम यादव के साथ मिलकर

पुरुष युगल में भी स्वर्ण पदक जीता। फाइनल के दबाव में भी दोनों की साझेदारी भरोसे और बेहतरीन तालमेल की मिसाल बनी रही। अपनी जीत के बाद जतिन आजाद ने भविष्य पर नजर रखते हुए कहा, ह्लमैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर हासिल करना चाहता हूं। जितना ज्यादा एक्सपोजर मिलेगा, उतना ही बेहतर प्रदर्शन करूंगा—और मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा चयन छअ28 पैरालंपिक्स के लिए होगा। भारतीय टीम की सफलता में मानसिक मजबूती की भी अहम भूमिका रही। एक अन्य स्वर्ण पदक विजेता हर्षित चौधरी ने टीम के सकारात्मक रवैये पर जोर देते हुए कहा, ह्लमुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर स्थिति के लिए तैयार थे। मैंने और मेरे पार्टनर ने पूरे मैच के दौरान सकारात्मक सोच बनाए रखी। खास बात यह रही कि दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशियन यूथ पैरा गेम्स था, जिससे यह उपलब्धि और भी खास बन जाती है। पदकों से बढ़कर, यह टूनार्मेंट खिलाड़ियों के लिए सीख और अनुभव का अहम मंच साबित हुआ, जो उन्हें लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक खेलों की ओर मजबूती से आगे बढ़ने में मदद करेगा।

लखीमपुर खेल महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक संपन्न हुईं

लखीमपुर खीरी

नगर पालिका परिषद लखीमपुर एवं क्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में शहर के प्रतिष्ठित विलोबी मैदान में आयोजित लखीमपुर खेल महोत्सव (सीजन-2) के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक संपन्न हुईं। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से मैदान तालियों की गूंज से भर उठा। कार्यक्रम का मंच संचालन समाजसेवी राम मोहन गुप्ता ने किया। क्रिकेट मुकाबले में दूसरे दिन खेले गए क्रिकेट मैचों में कड़े मुकाबले देखने को मिले। द्वारिकापुरी थंडर बनाम घोसियाना 11 में घोसियाना 11 ने 2 विकेट से जीत दर्ज की। इसराज सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, विश्वजीत सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, तुषार सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक तथा अतुल कुमार मैन ऑफ द मैच रहे। जेसीआई 11 बनाम अनस वॉरियर्स मुकाबले में जेसीआई 11 ने 7 विकेट से विजय पाई। सौरभ सर्वश्रेष्ठ

बल्लेबाज, तुषार सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, हर्ष सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक और वीर सिंह मैन ऑफ द मैच चुने गए। नगर पालिका बनाम जलकल 11 में नगर पालिका की टीम ने 41 रन से जीत दर्ज की। अनिरुद्ध त्रिपाठी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, मुनेंद्र सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, अभिषेक सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक तथा देवाशीष मुखर्जी मैन ऑफ द मैच रहे।? फायरबोल्ट बनाम हंटर 11 मुकाबले में हंटर 11 ने 4 विकेट से जीत हासिल की। राहुल अवस्थी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, साहिल सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, विपिन सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक और मोहित मैन ऑफ द मैच बने। कबड्डी प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में 12 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में चौहान क्लब ने नगर पंचायत निघासन को हराकर खिताब अपने नाम किया। बालक वर्ग में 22

टीमों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 8 टीमों ने अगले चरण में प्रवेश किया। इसी तरह हॉकी टूनार्मेंट में गुरु नानक स्पोर्ट्स अकादमी में कोऑर्डिनेटर तृप्ति अवस्थी के नेतृत्व में हॉकी प्रतियोगिता आयोजित हुई। अजमानी गर्ल्स इंटर कॉलेज बनाम गुरु नानक विद्यक सभा में गुरु नानक विद्यक सभा ने 2झ0 से जीत दर्ज की। नन्ही टीम ए बनाम नन्ही टीम बी में नन्ही टीम बी ने 4-0 से विजय पाई। आश्रम पद्धति बनाम अजमानी इंटरनेशनल स्कूल (अंडर-13) में अजमानी इंटरनेशनल स्कूल ने 5-2 से मुकाबला जीता। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, जिला प्रचारक अविनाश, क्रीड़ा भारती जिला अध्यक्ष कपिल श्रीवास्तव, अनस, शिव सिंह, अभय सिंह (इंडियन बैंक), प्रमोद अग्रवाल

भावनात्मक

- कार्यक्रम का मंच संचालन समाजसेवी राम मोहन गुप्ता ने किया। क्रिकेट मुकाबले में दूसरे दिन खेले गए क्रिकेट मैचों में कड़े मुकाबले देखने को मिले

(दिव्य प्लाई), खेल महोत्सव संयोजक आशीष सिंह चौहान, कनिष्क बरनवाल, इंजीनियर दुर्गेश वर्मा, आशीष श्रीवास्तव, जितेंद्र अवस्थी, जेई समरा सईद सहित सभासदगण, खेल प्रभारी एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। हॉकी स्थल पर उप-प्रधानाचार्य इंद्रजीत सिंह, आर.आई. फैज खान, सभासद पारस मौर्य, दीपक रस्तोगी, संदीप वर्मा आदि खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 17 दिसंबर 2025 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना

बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वाराः वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वाराः वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वाराः बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देखें

चौरासी घाटः पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथः बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिरः काशी में असि नदी के किनारे राममक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

बिड़ला मंदिरः बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिरः कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथः वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगरः वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

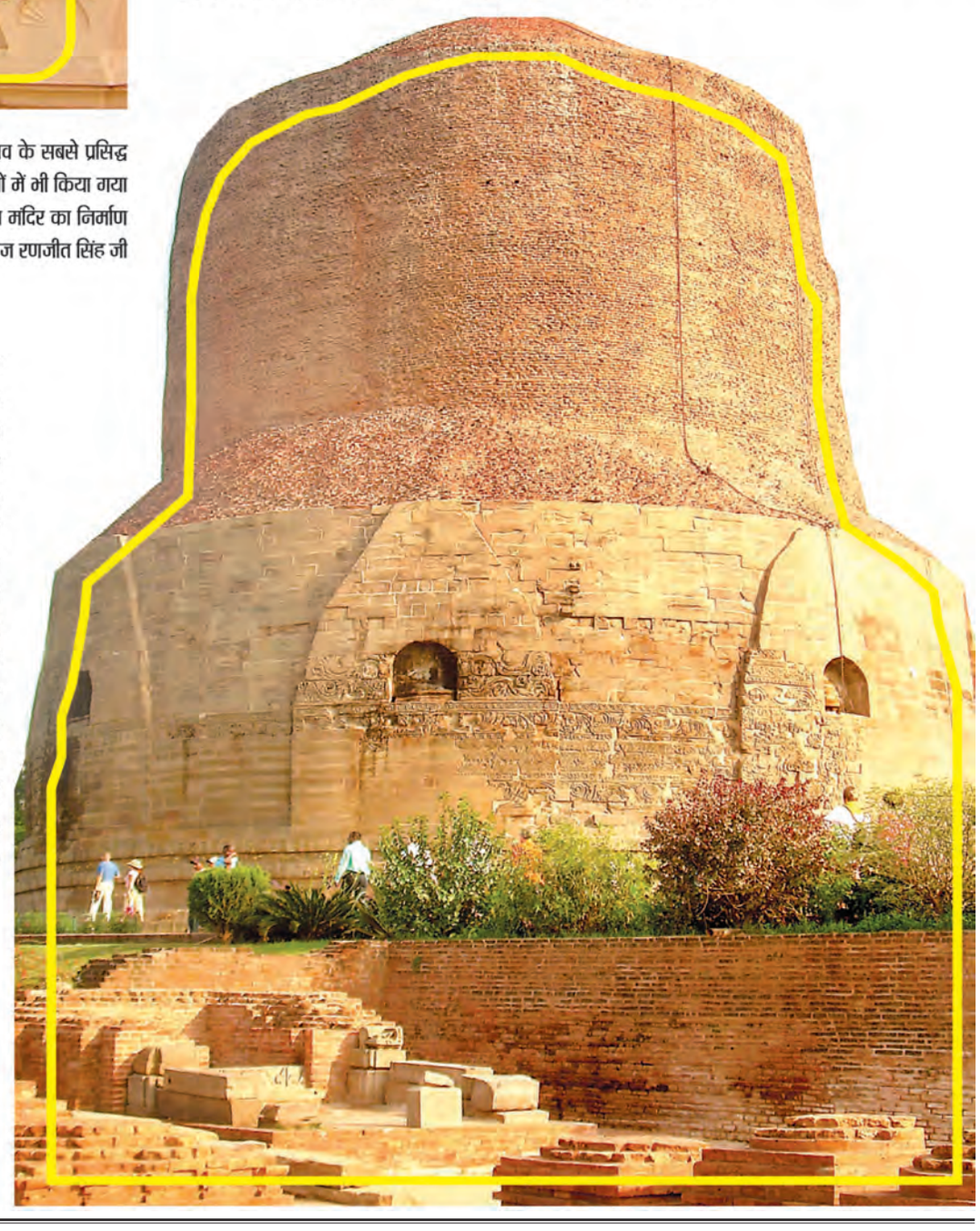

भारत माता मंदिरः वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिरः तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।